वर्ष : 17 अंक : 156 मूल्य : 02 रुपया मात्र पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 27 मार्च 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

देश के पास 60 दिन का तेल और गैस का पर्याप्त भंडार, अफवाहों पर न करें भरोसा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के पास करीब 60 दिनों का पर्याप्त ईंधन भंडार है। पेट्रोल, डीजल या घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है। सरकार ने ईंधन की कमी की खबरों को अफवाह बताकर लोगों से भरोसा न करने को कहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और नियंत्रण में है। सभी खुदरा ईंधन आउटलेट्स पर पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है। देश में कहीं भी पेट्रोल-डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे जान-बूझकर चलाए जा रहे एक शरारतपूर्ण और सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान से गुमराह न हों, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट फैलाना है। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में 1 लाख से ज्यादा रिटेल ईंधन आउटलेट खुले हैं और बिना किसी रुकावट के ईंधन दे रहे हैं। किसी भी आउटलेट से सप्लाई को सीमित करने के लिए नहीं कहा गया है। सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त स्टॉक है। वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों के परिशोधन के मामले में दुनिया में चौथे और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक भारत, घरेलू ईंधन की उपलब्धता को संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित करता है। साथ ही 150 से ज्यादा देशों को परिष्कृत ईंधन की आपूर्ति करता है। मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के 27वें दिन भी हमारे पास अभी करीब 60 दिन का वास्तविक ईंधन भंडार है, जिसमें कच्चे तेल का भंडार, उत्पाद भंडार और रणनीतिक भंडारण शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि दो माह की कच्चे तेल की खरीद पहले ही सुनिश्चित होने की वजह से अगले कुछ माह तक भारत के लिए समस्या नहीं है, इसलिए देश में भंडार के समाप्त या अपर्याप्त होने के किसी भी दावे को पूरी तरह से खारिज कर देना चाहिए। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव के बावजूद कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। भारतीय रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से अधिक पर काम कर रही हैं और अगले 60 दिन के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। घरेलू उत्पादन में वृद्धि और आयात आवश्यकताओं में कमी के कारण एलपीजी की आपूर्ति भी पर्याप्त है। कई देशों से अतिरिक्त कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं, जिससे निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

होर्मुज की टेंशन होगी खत्म! बिना झंझट जलेंगे चूल्हे, सड़कों पर सरपट दौड़ेंगी गाड़ियां

नई दिल्ली। ईरान जंग ने एक बार फिर से पेट्रोल, डीजल आदि बेस्ड डेवलपमेंट मॉडल की खामियों को उजागर कर दिया है। भारत अपनी तेल जरूरतों का तीन तिहाई आयात करता है। अरब देश एनर्जी का सबसे बड़ा स्त्रोत हैं। तेल के साथ ही गैस का भी आयात किया जाता है। इनसे ही भारत में गाड़ियां सड़कों पर सरपट भागती हैं और घरों में चूल्हे जलते हैं। ऐसे में खाड़ी देश में किसी भी तरह का संकट आने पर उसका सीधा असर भारत पर पड़ता है। अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद ऐसी ही स्थिति पैदा हो गई है। एनर्जी कॉरिडोर के तौर पर अपनी पहचान रखने वाले होर्मुज स्ट्रेट पर भी इसका व्यापक असर पड़ा है। इससे तेल और गैस से लदे जहाजों की आवाजाही बुरी तरह से प्रभावित हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य काफी अहम है, क्योंकि इसी रूट से तेल और गैस के अधिकांश शिपमेंट आते

हैं। अब इस निर्भरता को कम करने की दिशा में अहम और निर्णायक कदम उठाने का फैसला किया गया है। भारत अगले 9 से 10 साल में नॉन-फॉसिल फ्यूल बेस्ड पावर कैपेसिटी को कुल उत्पादन का 60 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। इस तरह फॉसिल फ्यूल यानी तेल आधारित ऊर्जा जरूरतों को तकरीबन एक तिहाई तक सीमित कर दिया जाएगा। ऐसे में यदि होर्मुज जैसे संकट की स्थिति में भी देश की ऊर्जा जरूरतों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। भारत ने 2005 के स्तर के मुकाबले अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता में 47फीसदी की कमी लाने और 2035 तक कुल बिजली क्षमता में 60फीसदी हिस्सेदारी गैर-जीवाश्म ईंधनों से हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

संकट का समय, सरकार सच बताए समस्या का समाधान निकाले

भारत आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां सरकार के बड़े-बड़े दावे और ज़मीनी हकीकत के बीच का अंतर अब आम जनता को भी दिखाई देने लगा है। भारत 145 करोड़ की आबादी वाला देश हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी "विश्व गुरु" होने की बात करते हैं। सवाल यह है, भारत सरकार की नीतियां और दावे विश्व गुरु के अनुरूप हैं? हाल मे अमेरिका इजरायल ने ईरान के ऊपर हमला किया है। उसके बाद वैश्विक हालात खासकर पश्चिम एशिया के देशों में बढ़ते तनाव ने भारत की कमजोरियों को सारी दुनिया के देशों और भारतीय जनता के बीच में उजागर कर दिया है। भारत की सबसे बड़ी चुनौती आयात पर निर्भरता है। कच्चा तेल, गैस, उर्वरक, यूरिया और डीएपी का बड़ा हिस्सा हमें विदेशों से आयात करना पड़ता है।

जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय संकट बढ़ रहा है, उससे सभी आयातित सामान की सप्लाई प्रभावित हो रही है। विशेष रूप से कच्चा तेल, गैस और खाद की कमी देश में होती चली जा रही है। इनकी कीमतें बढ़ रही हैं। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत कम होने से पिछले कई महीनो से दाम बढ़ते चले जा रहे हैं। इसका सीधा असर आम जनता और किसानों पर पड़ रहा है। पिछले कई वर्षों से किसानों को खाद महंगी मिल रही है और उनकी मांग से कम उपलब्ध हो रही है। जिसके कारण किसान समय-समय पर प्रदर्शन करते देखे जाते हैं। इसके अलावा कृषि उत्पादन भी प्रभावित होता है। किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसी तरह अब गैस और पेट्रोल-डीजल की जो कमी देखने को मिल रही है इसका असर मजदूरों से लेकर हर वर्ग को पड़ रहा है। घरों में खाना बनाना मुश्किल हो गया है। इसके परिणाम स्वरूप महंगाई और आर्थिक असंतुलन बढ़ रहा है। जिससे करोड़ों नागरिक रोजाना परेशान हो रहे हैं।

सरकार का यह कहना कि "सब कुछ सामान्य है"। जनता के बीच विश्वास की कमी पैदा कर सकता है। आम जनता को लग रहा है कि सरकार हमसे कुछ छुपा रही है। झूठ बोल रही है। वास्तविकता कुछ और है, सरकार कुछ और बता रही है। इसका असर सरकार की विश्वसनीयता पर पड़ रहा है। जमीनी स्तर पर पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों में आम लोगों को परेशानी हो रही है। स्वाभाविक रूप से आम लोगों में डर और असमंजस की स्थिति बन गई है। उनकी मजदूरी रोजगार और खाना-पीना तक इस स्थिति में प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में सरकार की पारदर्शिता और वास्तविक स्थिति को देखते हुए यदि सरकार सच बोलती है तो लोगों को वैकल्पिक साधन खोजने और इस समस्या का समाधान निकालने के लिए वह मानसिक रूप से तैयार हो सकेगी। यही समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराना सरकार की जिम्मेदारी है। आम जनता को संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

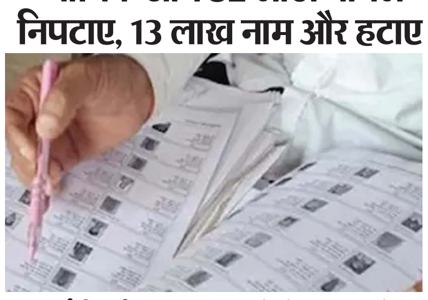

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके। वजह न्यायिक अधिकारियों की ई-साइन यानी डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी।

दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर में पूरे विधि-विधान से स्थापित की गयी नीलकंठ वर्णी की 108 फुट ऊंची प्रतिमा

नई दिल्ली। दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर में भगवान स्वामीनारायण के बाल तपस्वी स्वरूप का प्रतिनिधित्व करती नीलकंठ वर्णी की पंचधातु से बनी 108 फुट ऊंची प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा समारोह गुरुवार को सम्पन्न हो गया। प्राण प्रतिष्ठा बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के प्रमुख महंतस्वामी महाराज के सान्निध्य में वैदिक विधियों और अनुष्ठान के साथ किया गया। समारोह में देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अक्षरधाम परिसर में आज सुबह 6 बजे नीलकंठ वर्णी की प्रतिष्ठा के अनुष्ठानों का शुभारम्भ हुआ और प्राचीन वैदिक परंपराओं के अनुसार पूर्ण श्रद्धा और पवित्रता के साथ सम्पन्न हुआ। इसके अन्य अनुष्ठानों की शुरूआत 25 मार्च से ही शुरू हो गए थे। बुधवार को महंतस्वामी महाराज की उपस्थिति में विश्व शांति महायज्ञ हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शांति के प्रतीक सफेद कबूतरों को आकाश में छोड़कर पश्चिम एशिया में युद्ध विराम के लिए प्रार्थना की गई। प्राण प्रतिष्ठा के बाद महंतस्वामी महाराज ने कहा कि यह सबसे सुंदर मूर्ति है। यह सम्पूर्ण विश्व में शांति का प्रसार करेगी। जो भी यहां नीलकंठ वर्णी के दर्शन करने आएगा, वह सद्गुणों की प्रेरणा पाएगा और कल्याण को प्राप्त करेगा।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश बस हादसे पर जताया दुख, पीएमएनआरएफ से अनुग्रह राशि की घोषणा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण सड़क हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, "आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुई दुखद बस दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एक्स पर पोस्ट किया, "आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुआ दुखद बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में, मेरी संवेदनाएं शोकाकुल

परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों को संबल मिलने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। पोस्ट में आगे कहा गया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे।

रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक, 12 घंटे में बनेंगी पुलिया : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर में रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे अब मिशन मोड में काम करेगा। इस दिशा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित कर व्यापक निर्देश जारी किए। रेल मंत्री ने कहा कि जहां रेलवे ट्रैक के एक ओर बस्ती और दूसरी ओर खेत, स्कूल, श्मशान या अन्य आवश्यक स्थान हैं, वहां लोगों की सुविधा के लिए विशेष प्रकार की रेल पुलियाएं (सबवे) बनाई जाएंगी। इन पुलियाओं का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है। वैष्णव ने अधिकारियों

को निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे लोग बिना हिचकिचाहट के उनका उपयोग कर सकें। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि लोग साइकिल, मोटरसाइकिल और अन्य आवश्यक सामान के साथ आसानी से आ-जा सकें। यह पहल देश की बड़ी आबादी के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। रेलवे की योजना के अनुसार पुलियाओं का ढांचा पहले से तैयार किया जाएगा और बाद में साइट पर लाकर स्थापित किया जाएगा। स्थापना के दौरान रेलवे ट्रैक पर "ब्लॉक" लिया जाएगा, जिसके भीतर मात्र 12 घंटे में पटरी काटकर पुलिया फिट कर दी जाएगी और उसे उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा। रेल मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे जलभराव जैसी समस्याएं प्रभावित न करें। साथ ही यह व्यवस्था लंबे समय तक प्रभावी बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले 5-6 वर्षों में इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। यह निर्णय रेलवे अधिकारियों के साथ कई दिनों तक चली विचार-विमर्श प्रक्रिया का परिणाम है। रेल मंत्रालय का मानना है कि संवेदनशील और व्यावहारिक समाधान ही आम लोगों की समस्याओं का दीर्घकालिक हल दे सकते हैं।

जलवायु प्रतिबद्धताओं को लेकर नए 'राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान एक महत्वपूर्ण संकेतः सीईईडब्ल्यू

नई दिल्ली। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन को सूचित किए जाने वाले भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (2031-2035) को मंजूरी देने के केंद्र के फैसले को महत्वपूर्ण बताया है। सीईईडब्ल्यू के सीईओ डॉ. अरुणाभा घोष ने गुरुवार को एक बयान में कहा, "ऐसे समय में जब संघर्ष और ऊर्जा सुरक्षा की चिंताएं विभिन्न देशों को जलवायु प्रतिबद्धताओं से पीछे खींच रही हैं, भारत के नए 'राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान एक महत्वपूर्ण संकेत हैं। 2035 तक गैर-जीवाश्म ईंधन की बिजली क्षमता में 60 प्रतिशत की लक्षित हिस्सेदारी बताती है कि भारत ने जहां बिजली क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने की अपनी महत्वाकांक्षा को बढ़ाया है, वहीं उसने अपने करोड़ों नागरिकों के लिए ऊर्जा सुरक्षा और किफायती बनाए रखने पर भी जोर दिया है। उन्होंने बताया कि भारत का पावर मार्केट (बिजली बाजार) तेजी से विकसित हो रहा है। अगर यही गति जारी रही और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं में कमी आई तो हमारा अनुमान है कि भारत अपने लक्ष्य से आगे निकल जाएगा, जैसा कि ऐसा पहले कई बार किया है।

भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता : जयशंकर

नई दिल्ली। भारत की विदेश नीति ने हाल ही में एक नया आयाम प्राप्त किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बेबाकी और ठोस अंदाज में बताया कि भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर मोर्चे पर संतुलित और आक्रामक रणनीति रखता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों में महत्वपूर्ण मदद दी और रक्षा प्रौद्योगिकी में भरोसेमंद साझेदार साबित हुआ। यह बयान पहले छुपी हुई कूटनीतिक हकीकत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा था। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और उच्च तकनीक का स्त्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी है। विपक्ष द्वारा अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठने के बावजूद, जयशंकर ने इन सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया। जयशंकर ने बैठक को संबोधित कर कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है। इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ईरान के साथ भी संतुलित और स्थिर संबंध बनाए रखे।

प्रभु श्रीराम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का संदेश मिलता है

एजेंसी। नई दिल्ली

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा- सभी देशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार हमें न्याय, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आइए, उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम रामराज्य की

रामनवमी पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

परिकल्पना के अनुरूप, एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलजुल कर कार्य करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा- मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव, रामनवमी के इस पावन एवं गौरवशाली अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। धैर्य, त्याग और न्यायप्रियता के प्रतीक भगवान राम का जीवन संपूर्ण मानवता के लिए न्याय, सत्य और अटूट मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श है। उनके आदर्श हमें सामाजिक समरसता, सदाचार और जनसेवा के मार्ग पर युगों-युगों तक अग्रसर रहने की प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने लिखा- प्रभु श्रीराम की कृपा से अधर्म पर धर्म की विजय हो, समाज से अनाचार, अहंकार और अशांति का सर्वनाश होकर एक बेहतर समाज का निर्माण हो और हमारा राष्ट्र निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे यही मंगलकामना है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

1 अप्रैल से 1000 दवाएं हो जाएंगी महंगी, छोटी-बड़ी बीमारियों पर पड़ेगा इसका असर

एजेंसी। नई दिल्ली

1 अप्रैल से दर्द की दवाएं, एंटीबायोटिक दवाएं और बुखार कम करने वाली कई जरूरी दवाओं के दाम बढ़ जाएंगे। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल एक हजार से ज्यादा दवाओं के दामों में मामूली बढ़ोतरी की इजाजत दे दी है। यह बढ़ोतरी डब्ल्यूपीआई के आधार पर हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एनपीपीए ने बताया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार कार्यालय से मिले आंकड़ों के मुताबिक 2025 में डब्ल्यूपीआई में पिछले साल की तुलना में 0.64956 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक इसी आधार पर इन दवाओं की कीमतों में करीब

एंटीबायोटिक दवाएं और बुखार कम करने वाली कई जरूरी दवाओं के दाम बढ़ जाएंगे

0.6 फीसदी की बढ़ोतरी की जा रही है। यह बढ़ोतरी हर साल नियमित रूप से की जाती है ताकि दवा कंपनियां बढ़ती लागत को कुछ हद तक संभाल सकें। समायोजित कीमतें एनएलईएम की 1000 से ज्यादा दवाओं पर लागू होंगी। इस बढ़ोतरी से कई आम दवाएं प्रभावित होंगी। इनमें दर्द निवारक दवाएं जैसे पैरासिटामॉल शामिल हैं। बुखार और सिरदर्द में इस्तेमाल होने वाली यह दवा सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। इसके अलावा एंटीबायोटिक दवाएं जैसे एजिथ्रोमाइसिन और सिप्रोफ्लॉक्सासिन भी महंगी होंगी। एनीमिया की दवाएं, विटामिन और मिनरल्स की दवाएं, कोविड-19 मरीजों के लिए कुछ दवाएं और स्टेरॉयड्स भी महंगी हो जाएंगी। दवा कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान-इजराइल युद्ध के कारण एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स और सॉल्वेंट्स की कीमतें 30-35 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ग्लिसरीन की कीमत में तो 64 फीसदी का उछाल आया है। पैकेजिंग मटेरियल जैसे पॉलीविनाइल क्लोराइड और एल्युमिनियम फॉइल भी 40 फीसदी महंगे हो गए हैं।

सैटेलाइट की परमाणु घड़ी में आई खराबी, भारतीय सेनाओं के सामने खड़ी हुई चुनौती

नई दिल्ली। भारत का स्वदेशी रीजनल नैविगेशन सिस्टम बहुत बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है। नैवआईसी नैविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन के सैटेलाइट की परमाणु घड़ी में आई खराबी की वजह से इसके सामरिक और रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह चिंता इसलिए बढ़ गई है कि इंडियन रीजनल नैविगेशनल सैटेलाइट सिस्टम-1एफ सैटेलाइट में लगा अंतिम संचालित परमाणु घड़ी ने भी 10 मार्च को अचानक काम करना बंद कर दिया। इसके बाद पोजिशनिंग, नैविगेशन और टाइमिंग सेवाओं के लिए सिर्फ तीन ही सैटेलाइट बच गए, जो इस काम के लिए सक्षम हैं। मीडिया रिपोर्ट में एक्सपर्ट कहते हैं कि नैवआईसी सिस्टम के प्रभावी तरीके से काम करने के लिए कम से कम ऐसे चार सैटेलाइट की जरूरत है, जिनमें परमाणु घड़ियां ठीक से काम कर रही हों। अगर यह न्यूनतम जरूरत पूरी नहीं होती है तो चाहे नागरिक उपकरण हों या फिर रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण, नैवआईसी सिस्टम भरोसेमंद नहीं रह जाता। इसरो की एक पूर्व वैज्ञानिक अनन्या रे के मुताबिक नैवआईसी जैसे सिस्टम दो तरह के सिंग्नलों पर काम करते हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

चुनावी राज्यों में 400 करोड़ से अधिक की जब्ती, 95 प्रतिशत शिकायतों का 100 मिनट में निपटान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के मद्देनजर सख्त निगरानी के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 400 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध प्रलोभनों की जब्ती की है। आयोग ने बताया कि 26 फरवरी से 25 मार्च के बीच कुल 408.82 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुओं और अन्य मुफ्त वस्तुओं को जब्त किया गया है। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों तथा 6 राज्यों में उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था। इसके साथ ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग के अनुसार निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए 5,173 फ्लाइंग स्क्वॉड और 5,200 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीमों को तैनात किया गया है, जो विभिन्न स्थानों पर निगरानी और चेकिंग कर रही हैं। जब्त की गई सामग्री में 17.44 करोड़ रुपये नकद, 37.68 करोड़ रुपये की शराब (करीब 16.3 लाख लीटर), 167.38 करोड़ रुपये के ड्रग्स, 23 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 163.30 करोड़ रुपये से अधिक के अन्य मुफ्त सामान शामिल हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान नागरिकों को किसी तरह की असुविधा या उत्पीड़न न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तर पर ग्रिवेंस कमेटियां भी बनाई गई हैं। इस बीच सी-विजिल ऐप के माध्यम से 15 से 25 मार्च के बीच कुल 70,944 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 70,831 का निपटान किया जा चुका है। इनमें से 95.8 प्रतिशत शिकायतों का समाधान 100 मिनट के भीतर किया गया। जनता और राजनीतिक दल 1950 हेल्पलाइन नंबर के जरिए भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मानवाधिकार आयोग ने आंध्र प्रदेश में 16 लोगों की मौत के मामले का लिया संज्ञान, तलब की रिपोर्ट

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में कथित तौर पर मिलावटी दूध पीने से 16 लोगों की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले को मानवाधिकार का गंभीर उल्लंघन मानते हुए राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने दोनों अधिकारियों से रिपोर्ट में मृतकों की स्वास्थ्य स्थिति, जांच की प्रगति और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी भी शामिल करने को कहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे जहरीले रसायन की मिलावट की आशंका जताई गई थी। इस विषैले पदार्थ के कारण पीड़ितों के शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे मौतें हुईं। वहीं कम से कम चार अन्य लोगों का इलाज अभी भी जारी है। यह घटना जिले के लालाचेरुवु, चौदेश्वरनगर और स्वरूपनगर इलाकों की है, जहां फरवरी के मध्य से लोग रहस्यमयी बीमारी का शिकार हो रहे थे। प्रारंभिक जानकारी में नरसापुरम गांव स्थित एक डेयरी को मिलावट का संभावित स्रोत बताया गया है, जो आसपास के 100 से अधिक घरों में दूध की आपूर्ति करती थी। उल्लेखनीय है कि प्रभावित लोगों में ज्यादातर बुजुर्ग और छोटे बच्चे हैं। पीड़ितों में पेट दर्द, उल्टी, पेशाब न आना और किडनी फेल होने जैसे गंभीर लक्षण देखे गए थे।

खेतरी यमुना में न प्रवाहित करके नर्सरी में स्थापित प्रोसेसिंग यूनिट में लाएं दिल्लीवासी : प्रवेश साहिब सिंह

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज परिवार सहित झंडेवालान मंदिर में मां झंडेवाली के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने दिल्लीवासियों से नवरात्रि के दौरान बोई गई खेतरी (जौ के जवारे) को यमुना नदी में न प्रवाहित करके प्रोसेसिंग यूनिट में लाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यमुना केवल एक नदी नहीं बल्कि दिल्ली की जीवन रेखा है और इसे स्वच्छ रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यदि हम सभी अपनी खेतरी को सचिवालय के सामने बनी नर्सरी में स्थापित प्रोसेसिंग यूनिट में लाएंगे, तो यही खेतरी खाद बनकर हमारी दिल्ली को हरा-भरा बनाने में काम आएगी। यह एक छोटी सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि इस नवरात्रि आस्था के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासी अपनी खेतरी आईटीआई विवेक विहार ग्रीन एरिया, गोल्डन जुबली पार्क (यमुना पुश्ता फेज I एवं II), संजय लेक, स्मृतिवन कोंडली, सिरी फोर्ट फेज-I ग्रीन एरिया, विजय मंडल से बेगमपुर ग्रीन बेल्ट, मां आनंद मयी आश्रम (हरकेश नगर) ग्रीन एरिया, कालकाजी (धोबी घाट) ग्रीन एरिया, आस्था कुंज फेज I, II एवं III (डिस्ट्रिक्ट पार्क, कालकाजी), पिकनिक हट पार्क, तुगलकाबाद, मिलेनियम पार्क (इंद्रप्रस्थ) – सराय काले खां जोन I से V, संजय वन, हौज खास डिस्ट्रिक्ट पार्क, वसंत उद्यान, वसंत विहार, महरौली कॉम्प्लेक्स फेज-II, अशोका गार्डन, अशोक विहार फेज-V, दरबार खान वाला बाग, डिस्ट्रिक्ट पार्क, शास्त्री नगर (56 बीघा), पार्क ए-1 से ए-4, नरेला, डिस्ट्रिक्ट पार्क, मुल्तान नगर, विशाल बाग ग्रीन एरिया, स्मृतिवन सेक्टर ए-7, नरेला, अवंतिका सेक्टर-1, रोहिणी, चित्रगुप्त पार्क सेक्टर-14 रोहिणी, बाबा वाला बाग सेक्टर-19 रोहिणी, स्वर्ण जयंती पार्क, सेक्टर-10 रोहिणी, डिस्ट्रिक्ट पार्क, सेक्टर-13 द्वारका सेक्टर-16D द्वारका (पार्क एवं प्लांटेशन एरिया), डिस्ट्रिक्ट पार्क, सेक्टर-23 द्वारका, सेक्टर-05 द्वारका ग्रीन एरिया, शीशमहल पार्क, शालीमार बाग, मायापुरी फेज-II (सल्वेज पार्क), राजौरी गार्डन (G-8 वुडलैंड एरिया),पश्चिम विहार (G-17 पार्क एवं लेक), सैयद नांगलोई फेज-II (मैंगो ऑर्चर्ड), हस्तसाल फेज-I नर्सरी एरिया, हेडगेवार पार्क, सरस्वती गार्डन प्रोसेसिंग स्थानों पर ला सकते हैं।

कांग्रेस ने कहा- भाजपा के 44 विधायकों और सांसदों पर दुष्कर्म व यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप

लोकतंत्र की शान

» भाजपा नेता स्वामी के बयानों पर चुप्पी क्यों- अलका लांबा
» लांबा ने गोवा में भाजपा पार्षद के बेटे द्वारा बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का मामला प्रमुखता से उठाया
» कहा- भाजपा नेताओं और उनके रिश्तेदारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के गंभीर मामले, पार्टी हमेशा देती है आरोपियों को संरक्षण

नई दिल्ली: कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा के 44 विधायकों और सांसदों पर दुष्कर्म व यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप हैं, लेकिन इसके बावजूद पार्टी उन आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण दे रही है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि गोवा से लेकर उत्तराखंड, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में सामने आए मामलों से एक पैटर्न दिखता है, जिसमें सत्ता के दबाव में भाजपा नेताओं पर कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि नाबालिगों से जुड़े मामलों में भी देरी और लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है। गोवा में भाजपा पार्षद सुशांत नायक के बेटे सोहम सुशांत नायक द्वारा लगभग 20 से 30 नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का मामला उठाते हुए अलका लांबा ने कहा कि तीन साल तक यह खेल चलता रहा, लेकिन पार्षद पिता और डबल इंजन की सरकार खामोश रही। जब बच्चियों के परिवारों ने हिम्मत दिखाई, तब जाकर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज हुआ। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर लगाए गए गंभीर आरोपों और किए गए खुलासों का हवाला देते हुए अलका लांबा ने कहा कि सार्वजनिक रूप से महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक व गंभीर बातें सामने आई हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा की स्वामी के आरोप अत्यंत गंभीर हैं। इसके बावजूद न तो उनकी जांच हो रही है और न ही कोई जवाबदेही तय की जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ऐसे मामलों पर सरकार चुप क्यों है। लांबा ने कहा कि कुख्यात यौन अपराधी जेफ़री एपस्टीन से जुड़ी फाइल्स में मोदी सरकार के मंत्री हरदीप पुरी का नाम आया है; उन्होंने खुद माना कि वो एपस्टीन से मिले थे, लेकिन संसद में इस बात पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। लांबा ने महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एक स्वयंभू धर्मगुरु अशोक खरात पर 58 महिलाओं के साथ यौन शोषण और आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप हैं। उन्होंने एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर खरात के पैर धोती दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इसकी जानकारी नहीं थी? अलका लांबा ने भाजपा नेताओं की संलिप्तता वाले कई मामलों को सामने रखा। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम का नाम सामने आ रहा है, लेकिन सीबीआई जांच को दबाया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड के दोषी कुलदीप सेंगर का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा हमेशा अपने दागी नेताओं के साथ खड़ी नजर आती है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों ने गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन मोदी सरकार आरोपी के बचाव में खड़ी रही। लांबा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश से भाजपा विधायक हंसराज पर एक नाबालिग युवती ने यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए, लेकिन न तो उसे पार्टी से निकाला जा रहा है और न ही उसकी विधायकी खत्म की जा रही है। हरियाणा में कुछ समय पहले भाजपा सरकार में तत्कालीन खेल मंत्री संदीप सिंह पर महिला कोच द्वारा उत्पीड़न के आरोप लगाए गए। उन्होंने कहा कि सजायाफ्ता बालात्कारी गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल मिल रही है, क्योंकि उन्हें चुनाव में भाजपा के लिए वोट इकट्ठा करना है। लांबा ने आगे बताया कि दुष्कर्म के मामले में ही दोषी आसाराम को हाल ही में बनारस के बाबा विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी गेट से एंट्री करवाकर दर्शन कराए गए। भाजपा की मानसिकता पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वो चुनाव में वोट बटोरने के लिए इन दुराचारी बाबाओं का सहारा लेती है। उन्होंने गुजरात में भाजपा सरकार द्वारा बिलकिस बानो मामले के दोषियों की रिहाई और फिर सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें वापस जेल भेजने के फैसले का जिक्र भी किया। लांबा ने याद दिलाया कि दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा पाने वाले कर्नाटक से जेडीएस के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की करतूतों की जानकारी होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने उसके लिए वोट मांगे थे। कांग्रेस नेता ने दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा आम आदमी पार्टी में रहते हुए विधानसभा में चलाई गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सीडी को लेकर भी भाजपा को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि कपिल मिश्रा ने बताया था कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी एक लड़की को सरकारी गाड़ी में अपने आधिकारिक निवास ले जाते थे, उसे साथ वाले कमरे में रखते थे। उन्होंने बताया कि इससे संबंधित सारी जानकारी उस सीडी में है, जो सुप्रीम कोर्ट को 2015 में सौंपी गई थी, लेकिन इसकी जांच रुकी हुई है। अलका लांबा ने प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि वहां पिछले एक साल में महिलाओं के विरुद्ध 1686 मामले दर्ज हुए हैं। हर 15 दिन में एक दुष्कर्म की घटना हो रही है, जो भाजपा की डबल इंजन सरकार की विफलता का प्रमाण है।

कॉंग्रेस के विचार विभाग की वरिष्ठ उपाध्यक्षा डॉ.जया शुक्ला ने व्यथित हृदय से कुछ प्रश्न पूछे

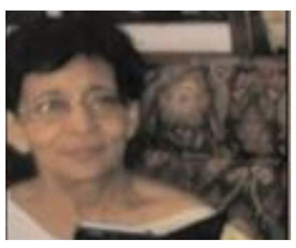

लोकतंत्र की शान

दिल्ली: डॉ.शुक्ला ने कहा कि प्रेफ़ेसर मधु किश्वर, जो प्रचण्ड बीजेपी तथा मोदी समर्थक मानीजाती रही हैं, अब श्री सुब्ह्मण्यम स्वामी के ट्वीट को रिट्वीट करते हुये आश्चर्यजनक रूप से कुछ बातें ट्वीट कर रही हैं। डॉशुक्ला ने उस ट्वीट की कुछ मुख्य बातों को बताया, जिनके हिन्दी अनुवाद के अनुसार निम्न बिन्दु हैं। 1) मोदी ने जिन महिलाओं को अपने करीबी होने की वजह से MP और मंत्री बनाया था, उनके नाम शुरू से ही संघी पावर नेटवर्क में काफी जोर-शोर से फुसफुसा रहे थे। 2) हरदीप पुरी जैसे लोगों के नाम, जिन्होंने गुजरात के CM रहते हुए उन्हें "खास" सर्विस दी थी, वे भी दबी जुबान में बताए जाने लगे, जब हरदीप और जयशंकर को कैबिनेट में शामिल किया गया! 3) 2014 में, जब मधुजी अमेरिका लेक्चर देने गयीं, तो वहांभी उनकी अय्याशी के किस्से घूम रहे थे। 4) 12वीं पास स्मृति ईरानी को एजुकेशन मिनिस्टर बनाने से दूसरे स्कैंडल्स को हवा मिली, जो तब तक लोगों की नज़रों से छिपे हुए थे। 5) मोदी के करीबी ने मधुजी के सुप्रीमकोर्ट में मानसी सोनी वाले केस मेँ जमा किए गए कागज़ों का पूरा सेट दिया, जो जेल में बंद IAS ऑफिसर ने जमा किया था, जो सोनी के साथ था। 6) गुजरात के लोगों ने, जिनमें मोदी के कुछ करीबी भी शामिल थे, गुजरात के CM रहते हुए महिलाओं के साथ उनके बुरे रिश्तों की घिनौनी कहानियाँ शेयर कीं। और उससे पहले, जब वे प्रचारक और BJP के पदाधिकारी थे। 7) मधुजीने तो साफ़ शब्दों मेँ कहा कि नरेंद्र मोदी भारत को कमज़ोर करने के लिये भेजे गये एक अमरीकी एजेन्ट हैं।

डॉ.शुक्ला के प्रश्न हैं:-

- श्री कपिल मिश्रा के पास नरेंद्र मोदी और अमितशाह की CD थी, जो दिल्ली विधानसभामें चलाई गई थी, जब कपिल म़िश्रा मंत्री थे। ये CD सुप्रीम कोर्ट को 2015 में सौंपी गई थी, लेकिन 10 सालसे इसकी जांच करने का काम किसने रोक रखा है?
- कपिल मिश्राने दिल्ली विधानसभा में बताया था कि जब नरेंद्रमोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब लड़की को सरकारी गाड़ी में मुख्यमंत्री के घर ले जाते थे, उसे साथवाले कमरेमें रखते थे, और जो कुछ होता था वह सब उस CD में है।
- BJP केनेता सुब्रमण्यमस्वामी, नरेंद्रमोदी पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं, लेकिन पूरी BJP उसपर चुपहै। जिन महिला नेताओं की ओर यह इशारा हो रहा है, वो पूर्वमंत्री क्यों चुप हैं?

जया शुक्ला

खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय जनसंख्या प्रबंधन नीति लागू करने का आग्रह किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। चांदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राष्ट्रीय जनसंख्या प्रबंधन नीति लागू करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि भारत आज एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय मोड़ पर खड़ा है, जहां इसकी विशाल जनसंख्या एक ओर ताकत है, तो दूसरी ओर बढ़ती हुई चुनौती भी है। खंडेलवाल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री को भेजे गए अपने पत्र में कहा कि देश की 1.4 अरब से अधिक जनसंख्या यदि सही ढंग से प्रबंधित की जाए, तो आर्थिक विकास की मजबूत आधारशिला बन सकती है। इसके विपरीत तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी भीड़भाड़, बेरोजगारी, पर्यावरणीय क्षरण तथा जल और भूमि जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसलिए प्रबंधन नीति से जनसंख्या वृद्धि को देश की आर्थिक क्षमता और विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप लाया जा सकेगा, जिससे बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना, सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावी आपूर्ति और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार सुनिश्चित होगा। खंडेलवाल ने बताया कि भारत वर्तमान में जनसांख्यिकीय परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहां बड़ी संख्या में युवा कार्यबल में प्रवेश कर रहे हैं। यह जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने का एक ऐतिहासिक अवसर है, लेकिन उचित योजना और जनसंख्या स्थिरीकरण के अभाव में यह एक बोझ में भी बदल सकता है। सांसद खंडेलवाल ने सुझाव दिया कि प्रस्तावित नीति में जागरूकता, शिक्षा और छोटे परिवार के स्वैच्छिक अपनाने पर विशेष जोर होना चाहिए। इसके साथ ही सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, महिला सशक्तिकरण और जिम्मेदार पारिवारिक नियोजन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। साथ ही, विभिन्न राज्यों में जनसंख्या वृद्धि के अलग-अलग पैटर्न को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र-विशेष रणनीतियां अपनाई जानी चाहिए। खंडेलवाल ने कहा कि ऐसी नीति पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने, शहरी ढांचे पर दबाव कम करने और वैश्विक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप सतत विकास सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसंख्या प्रबंधन का अर्थ किसी प्रकार का दबाव या बाध्यता नहीं है, बल्कि जागरूकता बढ़ाने, सूचित निर्णय लेने में मदद करने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने से है। खंडेलवाल ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह आवश्यक है कि जनसंख्या वृद्धि, संसाधनों, अवसरों और आकांक्षाओं के साथ संतुलन में हो।

एविएशन एवं टूरिज्म समिट में पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों का हुआ सम्मान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद गुरुवार को भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी) के द्वितीय आईसीसी एविएशन एवं टूरिज़्म समिट में मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए। इस कार्यक्रम में आईसीसी टूरिज़्म एक्सीलेंस अवॉर्ड्स के द्वारा पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को सम्मानित किया गया। इस समिट एविएशन के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र के प्रमुख नेता, नीति-निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ ने इस क्षेत्र के विकास, नई संभावनाओं और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत, विशेष रूप से दिल्ली को वैश्विक पर्यटन एवं विमानन हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देना था। सूद ने देश-विदेश से आए विशिष्ट अतिथियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों तथा राजधानी दिल्ली के सभी मित्रों का स्वागत किया। सूद ने विशिष्ट अतिथि, नागरिक उड्डयन महानिदेशक, भारत सरकार फैज अहमद किदवई, अमिताभ कांत, डॉ. सुधीर मिश्रा और संजय कुमार वर्मा का स्वागत करते हुए कहा कि इस मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट हस्तियों को मैं नमन करता हूं। इनके कार्यों ने भारत की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि पर्यटन की चर्चा में हम अक्सर गंतव्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन मैं आगमन के अनुभव पर जोर देना चाहता हूं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही जो अनुभव मिलता है, वह दिल्ली की आत्मा को दर्शाता है। उन्होंने कहा की हाल ही में 18 मार्च को आईजीआई को लगातार आठवीं बार भारत और दक्षिण एशिया का सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा घोषित किया गया, जो केवल दक्षता ही नहीं बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। सूद ने कहा कि दिल्ली में हवाईअड्डे पर संतूर की मधुर ध्वनि और चंदन-जैस्मिन की सुगंध यात्रियों का स्वागत करती है, वहीं डिजी यात्रा जैसी आधुनिक तकनीकें यात्रा को सहज और तनावमुक्त बनाती हैं। दिल्ली में आशावाद कोई नीति नहीं, बल्कि एक अनुभव है, जो विमान के उतरते ही महसूस होता है। सूद ने अभी हाल ही में प्रस्तुत दिल्ली के बजट के बारे में बताया की वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट एक विकसित राजधानी के निर्माण का रोडमैप है। दिल्ली की अर्थव्यवस्था 8.53 फीसद की दर से बढ़ रही है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली में अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप निवेश कर रहे हैं। पूंजीगत व्यय बढ़ाकर 32,000 करोड़ रुपये किया गया है, जिससे सड़कों, यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक स्थानों का व्यापक विकास किया जाएगा। किसी भी शहर की पहली छवि उसकी सड़कों से बनती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने इस वर्ष के बजट में 12,613 करोड़ रुपये परिवहन एवं अवसंरचना के लिए आवंटित किए हैं। साथ ही 750 किलोमीटर सड़कों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। सूद ने कहा कि दिल्ली में विकास के कार्यों में हम मरम्मत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समग्र वॉल-टू-वॉल पुनर्विकास पर काम कर रहे हैं। बेहतर फुटपाथ, स्मार्ट ड्रेनेज और हरित क्षेत्र इसके प्रमुख घटक हैं। साथ ही बजट में 1,352 करोड़ रुपये शहर को धूल-मुक्त बनाने के लिए निर्धारित किए गए हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली में पहली बार भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ने दिल्ली को वैश्विक रचनात्मक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि हम 'विरासत भी, विकास भी' के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। चांदनी चौक स्थित 160 वर्ष पुराने टाउन हॉल का पुनर्विकास कर उसे वैश्विक विरासत केंद्र बनाया जा रहा है, साथ ही 'दिल्ली हाउस' का निर्माण भी प्रस्तावित है।

संस्कृति से परंपरा का सतत प्रवाह बना रहता है: रामबहादुर राय

लोकतंत्र की शान

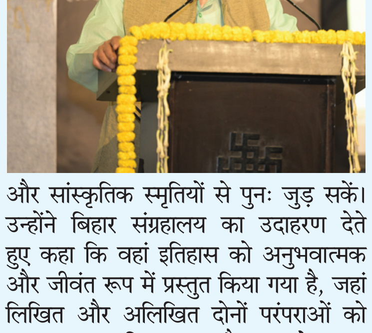

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने गुरुवार को कहा कि संस्कृति से परंपरा का उद्भव होता है और यही परंपरा एक सतत प्रवाह के रूप में समाज को निरंतर आगे बढ़ाती रहती है। उन्होंने जनजातीय समुदायों की गरिमा, उनकी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं सशक्तिकरण पर जोर दिया। आईजीएनसीए में आयोजित 10वें राष्ट्रीय जनजातीय एवं लोक संस्कृति साहित्य महोत्सव के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राय ने कहा कि इस कार्यक्रम ने जनजातीय समुदायों के भविष्य के प्रति नई आशा का संचार किया है। उन्होंने संग्रहालयों को अधिक गतिशील और संवादात्मक बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें ऐसे जीवंत स्थलों के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जहां लोग अपने इतिहास और सांस्कृतिक स्मृतियों से पुनः जुड़ सकें। उन्होंने बिहार संग्रहालय का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां इतिहास को अनुभवात्मक और जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहां लिखित और अलिखित दोनों परंपराओं को समान महत्व दिया जाता है। राय ने भाषा, समाज और संस्कृति के गहरे अंतर्संबंध को रेखांकित करते हुए कहा कि भाषा समाज को आकार देती है, समाज से संस्कृति का निर्माण होता है और संस्कृति से परंपरा का निरंतर प्रवाह उत्पन्न होता है। उन्होंने महात्मा गांधी और सत्याग्रह की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के महत्वपूर्ण क्षणों ने समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को जन्म दिया। उन्होंने भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए निरंतर प्रयासों का आह्वान किया। समापन सत्र में प्रो. अमिताभ पांडे ने संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सांस्कृतिक और ज्ञान परंपराओं के साथ सतत संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोगात्मक मंच भविष्य के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलते हैं और कम चर्चित समुदायों को व्यापक पहचान दिलाने में सहायक होते हैं। वहीं, प्रो. रमेश चंद्र गौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे निरंतर प्रयास भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति नई चेतना उत्पन्न करते हैं। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपराओं को समृद्ध करने में जनजातीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। प्रो. के. अनिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों, विद्वानों, कलाकारों और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा जनजातीय सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति आईजीएनसीए की प्रतिबद्धता दोहराई। महोत्सव के दौरान विभिन्न विषयगत सत्रों में 'मातृभाषा-आधारित बहुभाषी शिक्षा' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भाषा के महत्व पर चर्चा हुई। इसके अलावा लिपि विकास, भाषाई संरक्षण, लोककथा, कविता और मौखिक परंपराओं पर भी व्यापक विचार-विमर्श किया गया। दो दिनों तक चले इस महोत्सव ने जनजातीय साहित्य, भाषाओं और ज्ञान परंपराओं को व्यापक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में स्थापित करते हुए संवाद और सहयोग के नए अवसरों को सुदृढ़ किया।

औद्योगिक कचरे से सड़क निर्माण को लेकर होगा अनुसंधान, सीएसआईआर- सीआरआरआई ने किया समझौता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। देश में टिकाऊ विकास को गति देने के लिए एक अहम पहल के तहत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) अब औद्योगिक कचरे का इस्तेमाल सड़क निर्माण में करेगा। इस दिशा में सीएसआईआर और सीआरआरआई, इस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंडरीमेन और सुयोग एलिमेन्ट्स के बीच एक संयुक्त अनुसंधान समझौता हुआ। नई दिल्ली स्थित सीएसआईआर में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में महानिदेशक एन कलाईसेल्वी भी मौजूद रहीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि औद्योगिक कचरे को संसाधन में बदलना सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में बड़ा कदम है। फाउंड्री उद्योग से निकलने वाला वेस्ट सैंड पर्यावरण के लिए चुनौती बनता है, लेकिन अब इसे सड़क निर्माण में इस्तेमाल कर समाधान निकाला जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोयंबटूर स्थित इस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंडरीमेन देश का सबसे बड़ा फाउंड्री क्लस्टर है, जहां 800 से अधिक इकाइयां काम करती हैं और बड़ी मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है। इस परियोजना का लक्ष्य इसी कचरे का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग करना है। सीएसआईआर-सीआरआरआई के वैज्ञानिक विभिन्न प्रकार के फाउंड्री सैंड का परीक्षण कर सड़क निर्माण के लिए उपयुक्त तकनीक विकसित करेंगे। इस पहल से प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता घटेगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

जुबिलेंट मैत्री क्रिकेट मैच के सेमीफाइल के लिए भिड़ीं चार टीमें, कई भाषाओं में की गई कमेंट्री

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः गजरौला। विश्व क्षय रोग दिवस पर आयोजित चार दिवसीय जुबिलेंट मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मैच शुक्रवार को होगा। सेमीफाइनल के लिए पहले आरएसीएल-यूएस फूड की टीमें और दूसरे मैच में जुबिलेंट इलेवन और निर्मल फाइवर की टीमें भिड़ीं। बृहस्पतिवार की शाम जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड की फर्स्ट कालोनी के खेल मैदान में पहली पाली का मैच आरएसीएल और यूएस फूड की टीमों के बीच हुआ। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने टॉस उछाला। आरएसीएल की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। नवनीत शर्मा की कप्तानी वाली इस टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव ने आते ही छक्कों की झड़ी लगा दी। पहले ओवर में ही वैभव ने तीन सिक्सर मारे। यूएस फूड के कप्तान बाबुल सिंह के नेतृत्व में जबरदस्त बॉलिंग एवं फील्डिंग की गई। मैच के एंपायर विष्णु राणा रहे। मैच की शानदार कमेंट्री हिंदी के साथ ही हरियाणवी और भोजपुरी भाषा में डा. सुजिदंर फोगाट एवं अभय ने की। जिसका ग्राउंड में मौजूद खिलाड़ियों के साथ ही दर्शकों एवं अतिथियों ने भी खूब आनंद लिया। इस मौके पर जुबिलेंट इंग्रविया में साइट हेड विनोद झा, पराग गोयल, प्रताप महापात्रा, विशाल गौरव, डा. नितिन राय, अनुपम सिंह, नाग सिंह, अभिषेक चौहान, अमनदीप, मोनू नागर, दिलीप पांडेय आदि मौजूद रहे। दूसरी पाली में रात्रि का मैच जुबिलेंट इलेवन और निर्मल फाइवर की टीमों के बीच हुआ।

सिरसी में 30 मार्च को ऑल इंडिया मुशायरा, देशभर के मशहूर शायर करेंगे अदबी महफ़िल को रौशन"

सम्भल/सिरसीः उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी, लखनऊ की ओर से सिरसी में एक भव्य ऑल इंडिया मुशायरा का आयोजन किया जा रहा है। यह शानदार अदबी कार्यक्रम 30 मार्च 2026 को रात 8 बजे इंडियन मैरिज हॉल, बुद्ध बाजार, सिरसी में आयोजित होगा। इस मुशायरे की अध्यक्षता मुरादाबाद के अनवर सिद्दीकी करेंगे, जबकि विशेष अतिथि के रूप

में नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन कौसर अब्बास मौजूद रहेंगे। इसके अलावा डॉ. ताहिर रज़ा (मुरादाबाद) अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की निज़ामत हकीम बुरहान सम्भली द्वारा की जाएगी। मुशायरे में देश के विभिन्न हिस्सों से आए नामचीन शायर अपनी बेहतरीन ग़ज़लों और नज़्मों से महफ़िल को सजाएंगे। मेहमान शायरों में डॉ. शरीक उर रहमान बरकाती, शिबान क़ादरी (अमरोहा), सुलेमान फ़राज़ (हसनपुर), नासिर अमरोहवी, अभिषेक तिवारी (शिमला), निज़ाम नौशाही (मुंबई), डॉ. अन्स इकान (मेरठ) और ताहिर संभली शामिल हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी साहित्य प्रेमियों से अपील की है कि वे इस अदबी कार्यक्रम में पहुंचकर मुशायरे की रौनक बढ़ाएं। आयोजकों का कहना है कि आपकी मौजूदगी हमारे लिए बाइस-ए-इफ्तेखार होगी।

आयोजक डॉ. शाकिर हुसैन इस्लाही दानिश ग़दीरी

पेट्रोल-डीजल को लेकर अफवाहों पर योगी सरकार सख्त, कहा- कहीं कमी नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच राज्य सरकार ने गुरुवार को साफ किया कि प्रदेश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद विभाग, रणवीर प्रसाद ने कहाकि सभी जिलों में मांग के अनुसार पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। प्रदेश सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों के आधार पर घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी न करें। सरकार के मुताबिक हाल के दिनों में सोशल मीडिया के जरिए कुछ भ्रामक संदेश फैलाए जा रहे हैं, जिनमें ईंधन की कमी की बात कही जा रही है। इन सूचनाओं को गलत बताते हुए प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह शरारती तत्वों की हरकत है। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश सरकार ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों की स्थिति पर नजर रखें और कहीं भी आपूर्ति बाधित न होने दें। तेल कंपनियों के साथ लगातार समन्वय बनाकर अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था भी रखी गई है, ताकि किसी भी स्थिति में आम लोगों को परेशानी न हो। सरकार ने यह भी कहा है कि अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण करने से आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव पड़ता है। इसलिए आम लोग संयम बरतें और सामान्य जरूरत के अनुसार ही खरीदारी करें। प्रदेश सरकार ने भरोसा दिलाया है कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। पेट्रोल-डीजल को लेकर किसी भी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। लखनऊ पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के सदस्य एवं एसआर फिलिंग स्टेशन (इंजीनियरिंग कॉलेज) के मालिक सर्वेश वाजपेई ने कहा कि पेट्रोल एवं डीजल प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पंप 24 घंटे सुचारू रूप से संचालित हैं। लोगों को घबराकर डीजल-पेट्रोल स्टोर करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

श्री राम जन्मोत्सव यात्रा का विधायक व चेयरमैन ने किया फीता काटकर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को नगर में रामनवमी के अवसर पर श्री राम जन्मोत्सव शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी एवं पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी में संयुक्त रूप से फीता काटकर किया शोभा यात्रा नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर से प्रारंभ होकर पुराना अस्पताल, पुराना डाकखाना रोड, शिवाजी मार्ग, रहरा रोड से वापस मुख्य बाजार, इंदिरा चौक, अंबेडकर पार्क, राजपूत कॉलोनी से होती हुई वापस शिवाला मंदिर पर जाकर संपन्न हुई, इस बीच शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष हाथों में भगवा ध्वज लेकर चल रहे थे तथा जय श्री राम के नारों से वातावरण राम मय हो गया, इस बीच शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर तथा जलपान कराकर स्वागत किया गया, इस दौरान विश्व हिंदू परिषद द्वारा अग्रवाल धर्मशाला के मुख्य गेट पर शोभायात्रा का स्वागत किया गया, साथ ही सनातन जागरण मंच के दर्जनों पदाधिकारी शोभायात्रा में विशेष रूप से शामिल रहे, शोभायात्रा का आयोजन श्री झारखंड महादेव कावड़ बेड़ा संघ द्वारा किया गया, वहीं सुरक्षा की दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी भारी पुलिस बल के साथ यात्रा के प्रारंभ से अंत तक मुस्तैद रहे, इस मौके पर मुख्य रूप से राहुल हिंदुस्तानी, विपिन हिंदुस्तानी, मोहित अग्रवाल, महेश प्रजापति, अंकुर प्रजापति, दक्ष प्रजापति तथा कविता सैनी भाजपा नेता अंकुर अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, अतुल शर्मा, अंकित गुप्ता, मुकेश गुप्ता, निशांत चौहान, राहुल दक्ष, आकाश हिंदुस्तानी, सर्वेश प्रजापति, चंदन प्रजापति, सौरभ अग्रवाल, यश अग्रवाल, शौर्य रस्तोगी, अतुल अग्रवाल, योगिता सक्सेना आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे।

सभासद पति ने अधिशासी अधिकारी पर फोन ना उठाने का लगाया आरोप

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : गुरुवार को नगर में टैक्स सर्वे को लेकर एक वार्ड के सभासद पति ने अधिशासी अधिकारी पर फोन ना उठाने तथा टैक्स संबंधी कोई भी जानकारी सभासद को न दिए जाने का आरोप लगाया, बता ते चले कि वार्ड नंबर 21 की सभासद नसीमा के पति मुस्तकीम अली ने बताया कि उनके वार्ड में टैक्स सर्वे का काम चल रहा है जो अनजान नए बाहर के लोगों द्वारा काम किया जा रहा है जिसकी जानकारी आदिशक्ति अधिकारी नगर पालिका परिषद हसनपुर एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हसनपुर द्वारा उनकी पत्नी सभासद नसीमा को नहीं दी गई वहीं उन्होंने बताया कि जब अधिशासी अधिकारी को फोन लगाकर इस संबंध में जानकारी करना चाहिए तो उन्होंने फोन नहीं उठाया उनका कहना है कि सभासद होने के नाते सभासद का फर्ज बनता है कि यदि कोई किसी भी प्रकार का सर्वे होता है तो उसे वार्ड के सभासद को पता होना चाहिए लेकिन अधिशासी अधिकारी के गैर जिम्मेदाराना रवैया के चलते कोई भी जानकारी नहीं दी गई उन्होंने कहा कि यदि टैक्स सर्वे वालों के साथ कोई घटना घट जाती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा क्योंकि आजकल अनजान लोगों को कोई भी किसी प्रकार की जानकारी देने से बच रहा है क्योंकि फर्जी लोग भी विभिन्न शहरों में घूम रहे हैं, वही इस संबंध में जब हमारे संवाददाता ने अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि प्रत्येक वार्ड में मकानो का सर्वे चल रहा है और सर्वे करने वाली टीम सरकार द्वारा भेजी गई है तथा वार्ड सभासद पति द्वारा फोन ना उठाने का आरोप निराधार है सभी को अवगत करा दिया गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के गोरखपुर सेंटर का उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टेक्नोलॉजी विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ा सकती है। हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। बजट में भी टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। जब हम तकनीक नहीं अपनाते, उससे परहेज करते हैं तो प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं। और, जब प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं तो प्रगति की जगह दुर्गति की ओर जाते हैं। हमें प्रगति का अनुसरण करना है। सीएम योगी गुरुवार को गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के गोरखपुर सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवाओं में बहुत टैलेंट है। उसके टैलेंट को जब हम टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ते हैं तो वह अपनी प्रतिभा को कई गुना तेजी के साथ आगे बढ़ाने में सफल होता है। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र ने पिछले 11 वर्षों में देश में किया है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। यहां युवाओं में स्केल तो था लेकिन उसे वर्ष 2014 के पहले की सरकारों ने महत्व नहीं दिया। स्केल को स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया, कोई प्लेटफार्म नहीं उपलब्ध कराया। परिणाम था कि युवा हतोत्साहित होता था, पलायन करता था। युवाओं के मन में निराशा थी। लेकिन, वर्ष 2014 के बाद एक-एक कर हर क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। न केवल भारत सरकार के स्तर पर, बल्कि हर जनपद स्तर पर युवाओं के स्केल को स्किल में बदलने के लिए अनेक कार्यक्रम प्रारंभ हुए। उन कार्यक्रमों की श्रृंखला में एसटीपीआई का गोरखपुर केंद्र भी अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका शुभारंभ वासन्तिक नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर होना अत्यंत शुभ लक्षण है।

मिशन शक्ति तहत महिलाओं को सुरक्षा व योजना के प्रति किया गया जागरूक

» कोतवाली प्रभारी अनिल सिंह तोमर ने किया लोगो को जागरूक

लोकतंत्र की शान

महमूदाबाद. सीतापुर मिशन शक्ति अभियान कार्यक्रम पेज 05 के द्वितीय चरण के अंतर्गत कोतवाली महमूदाबाद संकटा देवी मंदिर में पुलिस उपाधिक्षक वेद प्रकाश श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन मे कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार तोमर के नेतृत्व मैं पुलिस टीम द्वारा महिला सशक्तिकरण व सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया इस दौरान महिलाओं व पुरुषों व बालिकाओं को उनके अधिकारों व सुरक्षा और आत्मनिर्भर से जुड़े कानून की विस्तृत जानकारी दी गई कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम में महिलाओं की सुरक्षा के लिए जारी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया गया जिसमें 10 90 वूमेन पावर लाइन नंबर 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 112 आपातकालीन 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर शामिल रहे उपस्थित लोगों को इन नंबरों का उपयोग वह संकट की स्थिति में तुरंत करने के लिए प्रेरित किया गया इसके साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे कन्या सुमंगला योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय पोषण मिशन प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना की जानकारी भी साझा की गई महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए घरेलू हिंसा छेड़छाड़ व अन्य अपराधों के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में मौजूद पुलिस कर्मियों ने बालिकाओं के काउंसलिंग कर उनकी समस्या सुनी और समाधान का आश्वासन दिया इस अवसर पर लगभग 30 से 40 महिलाएं व पुरुष व्यय बालिका उपस्थिति रही कार्यक्रम में महिला आरक्षित कविता शर्मा महिला आरक्षित काजल सक्सेना महिला आरक्षी शालिनी पांडे प्रमुख रूप से मौजूद रहे

मृतक रवि का शव फ़लाइट से पंहुचा एयरपोर्ट उसके बाद एम्बुलेंस से गाँव पंहुचा, डॉ अम्मार रिजवी पहुचे एयरपोर्ट

लोकतंत्र की शान

महमूदाबाद, सीतापुरः सऊदी अरब में हुए एक दुखद हादसे में मृत युवक रवि गोपाल का शव आज सुबह चौधरी चरण सिंह अमौसी एयरपोर्ट, लखनऊ पहुँचा, जहाँ से उसे जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद के ग्राम बघाइन के लिए रवाना किया गया। इस दौरान परिजन, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे तथा वातावरण शोकपूर्ण रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 25 वर्षीय रवि गोपाल सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित रीवा प्लास्टिक फैक्ट्री में कार्यरत थे। 18 मार्च को फैक्ट्री पर मिसाइल गिरने के परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो गई, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कम उम्र में हुआ यह दर्दनाक हादसा पूरे क्षेत्र के लिए शोक का विषय है। शव को वतन लाने के लिए सीतापुर जिला प्रशासन द्वारा पूर्व से ही आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई थीं। नायब तहसीलदार और एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर की निगरानी में एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी, जो सुबह से ही एयरपोर्ट पर मौजूद रही। मृतक के बड़े भाई मनमोहन सहित अन्य परिजन भी एयरपोर्ट पर उपस्थित थे। सूत्रों के अनुसार पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री एवं ऑल इंडिया माइनॉरिटीज फोरम फॉर डेमोक्रेसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अम्मार रिज़वी ने इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने रात में ही एयरपोर्ट के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें अजहर यूसुफ तथा फ्लाई नास के जनरल मैनेजर शामिल हैं, से संपर्क स्थापित किया, जिसके परिणामस्वरूप शव लाने की प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सकी। फ्लाई नास के प्रतिनिधि अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और आवश्यक सहयोग प्रदान किया। डॉ. अम्मार रिज़वी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री का आभार व्यक्त किया, जिनके निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को शीघ्र भारत लाया जा सका। उन्होंने मृतक के भाई मनमोहन तथा महमूदाबाद क्षेत्र के लोगों की ओर से भी भारत सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया डॉ. रिज़वी ने एक पत्र के माध्यम से मांग की है कि रीवा प्लास्टिक फैक्ट्री के मालिकों को निर्देशित किया जाए कि वे मृतक के परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये का मुआवजा दें, ताकि परिवार का भरण-पोषण संभव हो सके। क्षेत्र के लोगों ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सरकार से मांग की है कि विदेशों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएँ, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं ना हो

दुर्गा अष्टमी पर कन्या जिमाकर श्रद्धालुओं ने किया व्रत का पारायण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहाः गुरुवार को जिले भर में मां दुर्गा अष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया लोगों ने मंदिरों में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हुए घरों में कन्याओं के तिलक कर और उनकी पूजा कर हलवा-पूरी, खीर- छोले का प्रसाद खिलाते हुए उपहार भी दिए। और कन्याओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और परिजनों के सुख समृद्धि की कामना की। शहर के खंडेलवाल मंदिर, बाबा गंगा नाथ मंदिर, वासुदेव तीर्थ स्थल, कामनाथ मंदिर, दुर्गा मंदिर चामुंडा मंदिर सहित क्षेत्र के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। भक्तों ने ज्योति लेकर प्रसाद श्रृंगार की वस्तुएं मां के चरणों में अर्पित की, साथ ही आरती कर सदा आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की। अष्टमी की पूजा करने वाले भक्तों ने नवरात्र का व्रत खोल प्रसाद ग्रहण किया।

सिरसी के ऐम जे ऐम पब्लिक स्कूल में प्रतिभा का सम्मान, टॉपर्स को शील्ड व ट्रॉफी से नवाज़ा गया

लोकतंत्र की शान

सम्भल/सिरसी। ऐम जे ऐम पब्लिक स्कूल सिरसी में वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड, ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शायरे अहलेबैत सय्यद ज़हीर अनवर अनवर सिरसिवी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया और अपने संबोधन में कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। यदि भविष्य सुशिक्षित होगा तो देश भी विकास की राह पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही इंसान को सही मार्ग दिखाती है और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। विद्यालय की प्रधानाचार्या हिजाब ज़हरा नक़वी ने परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए बताया कि नर्सरी से यूकेजी तक अनामिका (कक्षा एलकेजी) ने 99.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया, जबकि कक्षा एक से पांच तक इस्बाह काज़िम (कक्षा एक) ने 99.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा विभिन्न कक्षाओं में भी कई छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक कमाल अख़तर नक़वी ने सभी विद्यार्थियों व शिक्षिकाओं की सराहना की। इस मौके पर सय्यद ज़हीर अनवर, सय्यद ज़फ़र इक़बाल, तासीर सिरसिवी, हसन मुस्तफा, मुदस्सिर इमाम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय के डायरेक्टर सुहैल असग़र ने सभी का आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन अलीगढ़ से आए जनाब शुबैर इमाम ने किया।

नजीबाबादः Akshayam Campus में युवाओं को मिली सफलता की नई दिशा, जीशान अंसारी ने किया मार्गद

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद में शिक्षा का उभरता केंद्र — Akshayam Campus Coaching Centre नजीबाबाद में स्थित Akshayam Campus Coaching Centre प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक भरोसेमंद केंद्र बनता जा रहा है। यहां सरकारी नौकरियों जैसे SSC, बैंकिंग, रेलवे, पुलिस सहित विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में कराई जाती है। इसी क्रम में कैंपस के संस्थापक मान सिंह (पूर्व निरीक्षक, कस्टम्स & केंद्रीय जीएसटी) द्वारा संस्थान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्री जीशान अंसारी, (अधीक्षक, कस्टम्स & केंद्रीय जीएसटी) अंसारी ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने युवाओं के बीच अपने विचार साझा करते हुए उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। जिशान अंसारी ने कहा कि आज के समय में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत दोनों जरूरी हैं। उन्होंने छात्रों को समय का सही उपयोग करने, अनुशासन बनाए रखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। उनके संबोधन ने उपस्थित छात्रों में नया उत्साह भर दिया। संस्थान में नियमित रूप से टेस्ट सीरीज, करंट अफेयर्स की कक्षाएं और व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाता है, जिससे छात्रों की तैयारी मजबूत हो सके। साथ ही, यहां पढ़ाई का माहौल अनुशासित और प्रेरणादायक है, जो छात्रों को अपने लक्ष्य की ओर केंद्रित रहने में मदद करता है। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की टीम ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। नजीबाबाद और आसपास के क्षेत्र के युवाओं के लिए Akshayam Campus Coaching Centre एक मजबूत आधार बनकर उभर रहा है, जहां से वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मर्डर का आरोपी दरोगा 'वीर पशुपतिनाथ मेडल' से वंचित, वैशाली में होना है सम्मान समारोह कार्यक्रम

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। मुजफ्फरपुर में हत्या के आरोपी निलंबित दरोगा राजा सिंह को 'वीर पशुपतिनाथ मेडल' से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी। इस घोषणा के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह सम्मान समारोह 9 अप्रैल को वैशाली जिले के बालिगांव थाना क्षेत्र में आयोजित होना था। दरोगा राजा सिंह पर मुजफ्फरपुर के गायघाट में किसान जगत राय की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। बताया जाता है कि जगत राय का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। आरोप है कि दरोगा ने नशे की हालत में जबरन जगत राय के घर में घुसकर गोली चला दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद से दरोगा राजा सिंह फरार है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वह

मुजफ्फरपुर के एक शराब माफिया के घर में छिपा हुआ है। लोगों का यह भी कहना है कि यह माफिया खुद को मुजफ्फरपुर का मुख्यमंत्री बताता है और दरोगा को अपनी जाति का बताकर बचाने की कोशिश कर रहा है। तेजस्वी यादव ने इस घटना को 'अप्रत्याशित, आपत्तिजनक और घोर निंदनीय' बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री हत्यारे पुलिस अधिकारी को सजा देने के बजाय मेडल दे रहे हैं। तेजस्वी ने बिहार पुलिस पर अपराधियों और शराब माफियाओं का संरक्षक होने का भी आरोप लगाया। इस घटना से मुजफ्फरपुर जिले में व्यापक आक्रोश है। स्थानीय जनता और राजद ने दोषी दरोगा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। राजद ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होती और न्याय नहीं मिलता, तो जनता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। राजद ने स्वर्गीय जगत राय को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने का संकल्प लिया है। हालांकि, आरोपी दरोगा राजा कुमार को 'वीर पशुपतिनाथ मेडल' प्रशस्ति पत्र से वंचित कर दिया गया है।

मर्डर केस में मुख्य आरोपी ने किया सरेंडर, होली के दिन की थी हत्या, हाजीपुर कोर्ट में आत्मसमर्पण

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में होली के दिन रंजीत दास की हत्या के मुख्य आरोपी राजेश सिंह ने पुलिस के दबाव के कारण हाजीपुर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। राजेश सिंह दाउदनगर, बिदुपुर थाना क्षेत्र के निवासी स्वर्गीय वासुदेव सिंह के पुत्र हैं। यह घटना 4 मार्च को बिदुपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। मृतक रंजीत दास गांव के चंदेश्वर दास के पुत्र थे। घटना के दिन, रंजीत अपने चार दोस्तों के साथ खिलवत बजरंगबली चौक से पश्चिम दाउदनगर मटखनवा के पास बांसवाड़ी में होली मना रहे थे। इसी दौरान बगल से गुजर रहे राजेश सिंह को किसी ने टोक दिया, जिससे वह गुस्से में आ गया और

गाली-गलौज करने लगा। जब रंजीत दास ने गाली-गलौज का विरोध किया, तो राजेश सिंह ने अपनी पिस्तौल निकालकर गोली चला दी। गोली रंजीत के सीने में लगी। आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार हो गया, जबकि रंजीत के साथ बैठे तीन दोस्त भी मौके से भाग गए। गोली लगने के बाद, आसपास के लोगों ने रंजीत को बिदुपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया था। लगभग तीन घंटे तक चले इस जाम को डीएसपी सुबोध कुमार ने आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर खुलवाया था। पुलिस लगातार आरोपी राजेश सिंह को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही थी। पुलिस की दबिश के कारण आरोपी ने अंततः न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया।

सोनपुर मंडल में 35 लोग गिरफ्तार, अनऑथराइज्ड अलार्म चेन पुलिंग पर 15,000 रुपए जुर्माना

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल ने अनधिकृत अलार्म चैन पुलिंग (ACP) के खिलाफ एक सघन अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत 35 लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनसे 15,000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। रेलवे अधिनियम 141 की संबंधित धाराओं के तहत कुल 35 मामले दर्ज किए गए। यह कार्रवाई मंडल के विभिन्न रेलखंडों और स्टेशनों पर प्रभावी रूप से की गई। मंडल प्रशासन का उद्देश्य रेल यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और समयबद्ध बनाए रखना है। अनधिकृत ACP से न केवल ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

होता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन में रेल सुरक्षा बल, वाणिज्य विभाग और परिचालन विभाग के समन्वित प्रयासों से यह अभियान सफल रहा। मंडल द्वारा नियमित जांच, निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे आपात स्थिति को छोड़कर अलार्म चैन का दुरुपयोग न करें, ताकि सुरक्षित और समयबद्ध रेल सेवा सुनिश्चित की जा सके। सोनपुर मंडल भविष्य में भी यात्रियों की सुरक्षा और रेल अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान जारी रखेगा।

छठी समारोह के दौरान लाठी-रॉड से परिवार-रिश्तेदार पर हमला, निजी जमीन पर जेनरेटर लगाने को लेकर विवाद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र के टाड़ा चौड़ी गांव में एक बच्चे के छठी समारोह के दौरान हमलावरों ने मारपीट की। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना पहलाद कुमार झा के आवास पर हुई, जहां परिवार और रिश्तेदार छठी समारोह के लिए एकत्रित हुए थे। कार्यक्रम के लिए घर की निजी जमीन पर एक जेनरेटर लगाया गया था। इसी बात को लेकर गांव के कुछ लोग लाठी-डंडे और लोहे की रॉड के साथ मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे, जिसके बाद विवाद मारपीट में बदल गया। हमलावरों ने समारोह में उपस्थित लोगों पर हमला किया, जिसमें महिलाएं और अन्य रिश्तेदार भी शामिल थे। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मारपीट के दौरान प्रिंस राज नामक युवक के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद समारोह स्थल पर चीख-पुकार मच गई और खुशी का माहौल तनाव में बदल गया। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित परिवार ने महनार थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

एलपीजी आपूर्ति हुई सामान्य, सभी कंपनियों ने होम डिलीवरी सेवा की जारी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले में एलपीजी की आपूर्ति अब सामान्य हो गई है। अपर समाहर्ता संजय कुमार ने जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह (भा.प्र.से.) के निर्देश पर मीडिया प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार गैस उपलब्ध कराई जा रही है। सभी गैस एजेंसियां होम डिलीवरी सेवा सुचारु रूप से संचालित कर रही हैं। अपर समाहर्ता ने यह भी बताया कि पहले गैस प्राप्त करने के लिए लगने वाली लंबी कतारों में अब कमी आई है और स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। वर्तमान में जिले के किसी भी क्षेत्र से एलपीजी आपूर्ति से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। जिला प्रशासन आपूर्ति व्यवस्था की सतत निगरानी कर रहा है, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और गैस की उपलब्धता निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जा सके। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकतानुसार ही गैस की बुकिंग करें।

सहरसा में LPG कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त, PNG आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार गुरुवार को आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में जिले में LPG गैस सिलेंडर वितरण की वर्तमान स्थिति, परिलक्षित अनियमितताओं के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई तथा PNG गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग या अवैध भंडारण किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों के संज्ञान में आने पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जिले में एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। हाल ही में अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर अवैध रूप से रखे गए गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने इस मामले में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने की बात दोहराई है। वहीं, बढ़ती मांग को देखते हुए गैस की आपूर्ति भी तेज कर दी गई है, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन के अनुसार, जिले में आवश्यक मांग के अनुरूप गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा, गैस वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए "चार दिवसीय वितरण नियम" का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बुकिंग और डिलीवरी के बीच अनावश्यक विलंब न हो। आगामी त्योहारों को देखते हुए लॉजिस्टिक्स व्यवस्था में भी सुधार के निर्देश दिए गए हैं। गैस एजेंसियों को सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सभी डिलीवरी स्टाफ समय पर कार्य पर लौटें, जिससे आपूर्ति प्रक्रिया बाधित न हो। साथ ही, सिटी गैस पाइपलाइन (PNG) परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित कंपनी को निर्देश दिया गया है कि अप्रैल माह के दूसरे सप्ताह तक चिन्हित घरों में पाइप के माध्यम से गैस आपूर्ति शुरू कर दी जाए। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता की सूचना तत्काल जिला आपूर्ति कार्यालय को दें।

बाढ़ में 3 साल की बच्ची से रेप, मां के साथ चैती मेला देखने गई थी

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के बाढ़ में 3 साल की बच्ची के साथ रेप हुआ है। वो अपनी मां के साथ चैती मेला में गई थी। घर से एक किमी दूर मेला लगा था। भीड़ में बच्ची मां से बिछड़ गई थी। जिसके बाद मां और परिवार के अन्य सदस्यों ने काफी खोजबीन की। इसी दौरान 50 मीटर की दूरी पर एक मंदिर के पीछे बच्ची खून से लथपथ मिली। बच्ची की स्थिति ऐसी थी कि वो बोल नहीं पा रही थी। इससे ये पता नहीं चल सका कि उसके साथ किसने गलत किया। परिजन उसे तुरंत नजदीक के अस्पताल ले गए। मामला मंगलवार देर रात का है। बुधवार को बच्ची का मेडिकल हुआ और अभी एनएमसीएच में उसका इलाज चल रहा है। घटना भदौर थाना क्षेत्र की है।

अब तक आरोपी की पहचान नहींः मंगलवार देर रात अस्पताल ले जाने के बाद परिजन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो बच्ची से पूछताछ की कोशिश की, पर पुलिस को आरोपी के बारे में पता नहीं चला। जिसके बाद पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया। मेडिकल के बाद पीड़िता को एनएमसीएच रेफर कर दिया गया। अभी तक मामले में पुलिस ने आरोपी की पहचान नहीं की है। परिजन ने थाने में एफआईआर दर्ज करा दी है, जिसमें किसी पर संदेह नहीं जताया है। पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

एफएसएल की टीम ने भी जांच कीः थाना अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार ने कहा कि परिजनों ने लिखित आवेदन दिया है। उनके अनुसार, बच्ची मेला देखने के दौरान बिछड़ गई थी और बाद में मंदिर के पीछे खून से लथपथ मिली। पुलिस ने बच्ची को जांच के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा था। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। बच्ची के प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था।

महिषी में निकली भव्य श्री रामरमी शोभा यात्रा, श्रद्धा और एकता का संदेश - संजय कुमार सिंह विधायक

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सिमरी बख्तियारपुर क्षेत्र अंतर्गत महिषी ग्राम में आयोजित पावन श्री रामरमी शोभा यात्रा श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुई। इस भव्य शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ऐवम विधायक संजय कुमार सिंह ने भाग लिया और भगवान श्रीराम के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। विधायक ने बताया कि यह शोभा यात्रा क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत करती है। आयोजन के दौरान लोगों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया और समाज में एकता, श्रद्धा एवं भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अध्यक्ष श्री आयुष ठाकुर, सचिव श्री दीपक ठाकुर, प्रोग्राम प्रभारी सत्यम सुमन के नेतृत्व में अनमोल झा, गोलू मिश्रा, गुणलशन झा, प्रिंस झा एवं सूरज कुमार सहित सभी युवाओं ने सक्रिय सहयोग दिया। शोभा यात्रा के सफल आयोजन पर स्थानीय लोगों ने आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया और इस तरह के कार्यक्रमों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

ज्ञान भारतम मिशन को लेकर सहरसा में समीक्षा बैठक पांडुलिपियों के संरक्षण व डिजिटलीकरण पर जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण के लिए संचालित ज्ञान भारतम मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मिशन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान बताया गया कि भारत सरकार द्वारा देश की समृद्ध ज्ञान परंपरा और बौद्धिक विरासत को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 के बजट में ज्ञान भारतम मिशन को एक फ्लैगशिप पहल के रूप में शुरू किया गया है। इस मिशन के अंतर्गत देशभर में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों का वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलीकरण एवं अभिलेखीकरण किया जा रहा है, ताकि यह धरोहर शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों के लिए सुलभ हो सके। मिशन के तहत कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़े आदि पर लिखी पांडुलिपियों की पहचान, सर्वेक्षण, कैटलॉगिंग एवं संरक्षण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए जिले में विशेष अभियान चलाकर पांडुलिपियों के संग्रहण से जुड़े संस्थानों एवं व्यक्तियों को चिन्हित कर सूची तैयार की जाएगी। इस कार्य के सुचारु संचालन के लिए उप विकास आयुक्त को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। समिति में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी (सामान्य शाखा) को सदस्य बनाया गया है, वहीं संबंधित क्षेत्र के विद्वानों को परामर्शी के रूप में शामिल किया गया है। जिला प्रशासन ने 75 वर्ष से अधिक पुराने पांडुलिपि धारकों से अपील की है कि वे जनहित में जिला जनसंपर्क कार्यालय को कार्यालय अवधि में इसकी सूचना उपलब्ध कराएं। बैठक में अपर समाहर्ता श्री निशांत, विशेष कार्य पदाधिकारी श्री राजू कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा कुमारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सहरसा जिला अस्पताल में FCM इंजेक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ, मातृ स्वास्थ्य सुधार की दिशा में अहम पहल

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिला अस्पताल सहरसा में मातृ स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत FCM (फेरिस कार्बोक्सी मालटोज) इंजेक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय द्वारा पटना स्थित ऊर्जा स्टेडियम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें सभी जिलों की सहभागिता रही। जिला अस्पताल सहरसा में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. हरिशेखर भारती, प्रभारी अधीक्षक डॉ. एस. एस. मेहता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री विनय रंजन, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी श्रीमती कंचन कुमारी, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक श्री राहुल किशोर, अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी तथा पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गंभीर एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में त्वरित सुधार लाना है। FCM इंजेक्शन एक आधुनिक उपचार पद्धति है, जिसके माध्यम से कम समय में हीमोग्लोबिन स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि संभव होती है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में जिले की 20 चिन्हित गर्भवती महिलाओं को यह इंजेक्शन दिया गया। चिकित्सकीय आंकड़ों के अनुसार, इसकी एक खुराक से औसतन 2.5 ग्राम तक हीमोग्लोबिन बढ़ने की संभावना है, जो इसे एनीमिया प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी बनाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस पहल से गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं में कमी आएगी और मातृ मृत्यु दर को कम करने में भी मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग की यह पहल सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने और "स्वस्थ मां, स्वस्थ शिशु" के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

दानापुर से लेकर पटना सिटी तक जलजमाव से मिलेगी राहत

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना को अब 8 नए DPS (ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन) की सौगात मिलेगी। बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) इसे तैयार कर रहा है। राजीव नगर, दीघा कैनाल, आनंद बाजार (दानापुर), टीवी टावर, दशरथा, नंदलाल छपरा, बकरी बाजार (बाजार समिति) और प्रेम कुंज (पहाड़ी) में मानसून से पहले चालू कर दिया जाएगा। अभी इन सभी का 95% काम पूरा हो चुका है।

बुडको प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि पटना के शहरी क्षेत्र में मानसून के दौरान तेज जल निकासी के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है। कई स्थानों पर अत्याधुनिक डीपीएस का निर्माण करवाया गया है, जो इस मानसून में जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये सभी डीपीएस अलग-अलग क्षमता वाले बनकर तैयार हैं। मानसून पहले इन डीपीएस को चालू कर दिया जाएगा।

हाई कैपेसिटी के डीवाटरिंग पंप इंस्टॉल किए गएः इसके चालू होने से दानापुर से लेकर पटना सिटी और बाइपास क्षेत्रों को कवर करते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों को जलजमाव से राहत मिलेगी। इन सभी नवनिर्मित डीपीएस में हाई कैपेसिटी के डीवाटरिंग पंप इंस्टॉल किए गए हैं। ये मॉर्डन पंप तेजी से जल निकासी करेंगे, जिससे भारी बारिश के बाद भी सड़कों और गलियों में पानी नहीं जमा रहेगा। बुडको की ओर से पहले से ही 56 स्थाई और 35 अस्थाई डीपीएस ऑपरेट किए जा रहे हैं।

सड़क किनारे मिला अज्ञात शव, मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने देखी थी लाश

लोकतंत्र की शान, पटना

व्यक्ति की पहचान में जुटी पुलिस

पटना जिले के बिहटा थानाक्षेत्र के पैनाठी गांव में गुरुवार सुबह सड़क किनारे एक अज्ञात शख्स की लाश मिली है। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र 55 से 60 वर्ष के बीच बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने सुबह टहलने के दौरान शव को देखा, जिसके बाद उन्होंने डायल-112 और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौत कैसे हुई पता लगा रही पुलिसः शव के पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला है। शख्स ने ब्लू शर्ट और नारंगी पैंट पहन रखा था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उसकी पहचान की कोशिश है रही, साथ ही पता लगाया जा रहा कि उसकी मौत कैसे हुई।

घटना को लेकर स्थानीय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की पैनाठी गांव के सड़क किनारे एक अज्ञात अधेड़ का शव पड़ा हुआ है। इसके बाद पुलिस की टीम भी मौके पहुंची। सूचना मिलने के बाद FSL टीम को भी सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में ले लिया गया है और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। हालांकि शव की पहचान को लेकर आसपास थानों को सूचना दे दी गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत कब और कैसे हुई है।

वंदेभारत के खाने में कीड़ा, आईआरसीटीसी पर 10 लाख जुर्माना, पैसेंजर ने की शिकायत

लोकतंत्र की शान, पटना

♦ फूड सर्विस प्रोवाइडर पर भी 50 लाख का फाइन

भारतीय रेलवे ने अपनी ही कैटरिंग इकाई इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) और संबंधित फूड सर्विस प्रोवाइडर पर कार्रवाई की है। पैसेंजर ने वंदे भारत एक्सप्रेस में खराब क्वालिटी के खाने की शिकायत की थी, जिसके बाद IRCTC पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा संबंधित फूड सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। ठेकेदार का कॉन्ट्रैक्ट तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। रेलवे ने ये जानकारी आधिकारिक 'X' हैंडल पर पोस्ट कर दी है।

मामला 16 मार्च 2026 का है, जब ट्रेन संख्या 21896 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। यात्री ने आरोप लगाया था कि परोसा गया भोजन न केवल घटिया था, बल्कि उसमें साफ-सफाई के मानकों का भी पालन नहीं किया गया था। खाने में कीड़े मिलने की बात भी कही गई थी।

जांच में शिकायत सही मिलीः शिकायत सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन तुरंत हरकत में आया और मामले की जांच के आदेश दिए। जांच के दौरान यात्री की शिकायत सही पाई गई। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि ट्रेन में परोसा जा रहा भोजन तय मानकों के अनुरूप नहीं था। जांच में गुणवत्ता, स्वच्छता और पैकेजिंग से जुड़े कई गंभीर उल्लंघन सामने आए। रेलवे ने इस लापरवाही को यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ मानते हुए कड़ा कदम उठाया। वहीं, IRCTC पटना ने बताया, हम लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई। रेलवे अधिकारी ने बताया कि IRCTC सभी स्टेट से पैनल होती है। तो all over IRCTC पर जुर्माना लगाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नारी सुरक्षा सम्मान : मिशन शक्ति अभियान से महिलाओं को किया जागरूक

लोकतंत्र की शान : संभल/सिरसी थाना हजरत नगर क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में, थाना प्रभारी सुधीर पवार के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम द्वारा प्रभावी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला उपनिरीक्षक रश्मि मलिक एवं हेड कांस्टेबल प्रभा ने क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और साइबर अपराधों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों, महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों तथा आपात स्थिति में पुलिस से संपर्क करने के तरीकों के बारे में भी अवगत कराया गया। साथ ही, साइबर जागरूकता पर विशेष जोर देते हुए ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया दुरुपयोग और अन्य डिजिटल अपराधों से सतर्क रहने की अपील की गई। पुलिस टीम ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अपराध के खिलाफ बेझिझक आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया।

पानीपत: विदेश भेजने के नाम पर करोड़ों रुपए की धोखाधडी

लोकतंत्र की शान : पानीपत। पानीपत में धोखाधड़ी कर विदेश भेजने के नाम पर करोड़ों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। गांव कालखा के एक युवक और उसके दो दोस्तों से अमेरिका भेजने के नाम पर एक करोड़ 50 लाख रुपए की ठगी की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव कलखा निवासी अमन ने बताया कि गांव के ही अभिषेक के साथ उसकी पुरानी दोस्ती थी। अभिषेक ने अमन को झांसा दिया कि उसकी ऊंची पहुंच है और वह लोगों को मोटी रकम लेकर अमेरिका भिजवाता है। अभिषेक के झांसे में आकर अमन के साथ उसके दो अन्य दोस्त, बजरंग और अक्षय भी अमेरिका जाने को तैयार हो गए। अमन के अनुसार, विदेश भेजने के नाम पर प्रति व्यक्ति 60 लाख रुपए तय हुए थे। तसल्ली करने के लिए जब वे अभिषेक के पिता राजेश से मिले, तो उन्होंने भी अपने बेटे की गारंटी ली। फरवरी 2026 में अमन और बजरंग ने जाटल रोड पर अभिषेक को 60 लाख रुपए नकद दिए। इसके बाद कालखा गांव के एक स्कूल में अभिषेक और उसके पिता को 90 लाख रुपए और दिए गए। कुल मिलाकर तीनों दोस्तों ने आरोपियों को 1.50 करोड़ रुपए सौंप दिए। आरोपियों ने एक सप्ताह में अमेरिका भेजने का वादा किया था, लेकिन समय बीतने के बाद वे टालमटोल करने लगे। पीड़ित ने एसपी को बताया कि उसके पास धोखाधड़ी के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। थाना इसराना प्रभारी महिपाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

फतेहाबाद पुलिस ने दो साइबर ठग दबोचे

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। पुराने सिक्के खरीदने के नाम पर ऑनलाइन ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान सुरेन्द्र सिंह तथा बिट्टू निवासी जैतो, जिला फरीदकोट के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 12 हजार रुपये की नगदी बरामद की है। गुरूवार को थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि इस बारे जितेन्द्र पुत्र अशोक कुमार निवासी किला मोहल्ला टोहाना ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार टोहाना के किला मोहल्ला निवासी जितेंद्र कुमार, जो एक कन्फेक्शनरी की दुकान चलाते हैं, के पास कुछ पुराने नोट और सिक्के जमा थे। उन्होंने फेसबुक पर पुराने सिक्कों की खरीद-फरोख्त से संबंधित एक विज्ञापन देखा और दिए गए नंबर पर संपर्क किया। जितेंद्र ने अपने सिक्कों और नोटों की तस्वीरें व्हाट्सएप के जरिए आरोपियों को भेजीं। आरोपियों ने जितेंद्र को झांसा दिया कि उनके सिक्कों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ 86 लाख 55 हजार रुपये है। शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए उनसे फाइल चार्ज के नाम पर मात्र 350 रुपये लिए गए और एक फर्जी आईकार्ड बनाकर भेजा गया। ठगों ने वादा किया कि 24 घंटे के भीतर पेमेंट उनके घर पहुंच जाएगी। 5 मार्च की सुबह ठगों ने जितेंद्र को फोन किया और कहा कि वे पेमेंट लेकर हिसार एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं और वहां से उनके घर की दूरी मात्र 70 किलोमीटर है। इसके बाद ग्रीन कार्ड बनाने और अन्य कागजी कार्रवाई के नाम पर पैसों की मांग शुरू हुई। ठगों ने जितेंद्र को इस कदर अपने जाल में फंसाया कि उन्होंने अलग-अलग समय पर कई ट्रांजैक्शन करवा लिए। सबसे पहले क्यूआर कोड भेजकर 2000 और 5000 रुपये मंगवाए। इसके बाद रिफंड का झांसा देकर 7150 रुपये, 16000 रुपये और 20000 रुपये ट्रांसफर करवाए। सिलसिला यहीं नहीं रुका, शातिरों ने 9,999 रुपये, 22,400 रुपये और फिर 6 मार्च को दोबारा 22,000 रुपये अपने खातों में डलवा लिए। जब बार-बार पैसे भेजने के बावजूद जितेंद्र के पास कोई पेमेंट नहीं पहुंची और आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इस प्रकार आरोपियों ने शिकायतकर्ता से कुल एक लाख 4 हजार 549 रुपये की ठगी कर ली। शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद में 21 मार्च को मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू कर लिया गया है तथा मामले की जांच जारी है।

राजस्थान में 29 मार्च तक बारिश का अलर्ट, आंधी-बूंदाबांदी से गर्मी से राहत

लोकतंत्र की शान : जयपुर। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 29 मार्च तक प्रदेश में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को भी चार जिलों में बारिश की चेतावनी दी गई है। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। बीकानेर, जयपुर, अजमेर और जोधपुर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में बादल छा गए और तेज हवाएं चलीं। बीकानेर जिले में गुरुवार को तेज आंधी चली, जिससे कई स्थानों पर पेड़ गिर गए। इससे पहले बुधवार दोपहर बाद हल्की धूलभरी हवा के साथ कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हुई।

सोन नदी में तैरता मिला शव, हत्या की आशंकाएं ,रस्सी से बंधा हुआ था शव

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला मुख्यालय से -पटपरा मार्ग में स्थित सोन नदी के गऊघाट में आज सुबह कपड़ा लगाकर रस्सियों में बंधा तैरता शव मिलने से हत्या की आशंका के चलते समूचे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद पानी में तैरते शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जानकारी के अनुसार सोन नदी के गऊघाट में बीचोबीच पानी में आज सुबह करीब 9 बजे रस्सियों में बंधी शव को देवघटा निवासी अभिलाष साकेत ने देखा। आशंका होने पर अभिलाश ने पानी के अंदर उतरकर देखा तो कपड़े में लपेटकर शव को रस्सियों में बांधा गया था। ऊपर से बोरा भी लिपटा होने के कारण प्रथम दृष्टया ऐसी आशंका हुई कि हत्या के बाद संबंधित व्यक्ति को कपड़े में लपेटकर रस्सी बांधकर पानी में फेंका गया है। अभिलाष ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाना शुरू की। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। पुल के ऊपर से जा रहे किसी राहगीर ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया। जिसके बाद समूचे इलाके में दहशत और सनसनी फैल गई। इस घटना के सामने आने के बाद तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इसे रंजिश या सुनियोजित साजिश से जोडक़र देखा जा रहा है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले का खुलासा होने की संभावना है।

इनका कहना ह-शव की स्थिति देखकर प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण और समय स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। बोरे में शव को बंद कर रस्सियों से बांधकर नदी में फेंकने के तरीके से हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आसपास के इलाके में गुमशुदगी के मामलों की भी जांच कर रही है। अभिषेक उपाध्याय निरीक्षक सिटी कोतवाली।

चैत्र नवरात्रि में कन्या भोजन के साथ देर रात तक चलता रहा भंडारा

ढोल नगाड़ों की धुन में देवी गीतों की प्रस्तुति

लोकतंत्र की शान (कु ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। संकट मोचन आईटीआई पडरा में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नवदिवसीय देवी पाठ, प्रतिदिन हवन पूजन हुआ। सद् विप्र समाज सेवा द्वारा अष्टमी के दिन हवन पूर्णाहुति की गई तत्पश्चात कन्या भोज कराया गया और कन्याओं को भेंट स्वरूप दक्षिणा दी गई। उपस्थित जनों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया जहां मुख्य रूप से श्रीचंद महाराज नवदुषी पूजा में विधि विधान से आचार्य के रूप में रहे,वही महात्मा मनोज सिंह अध्यक्ष सद् विप्र समाज सेवा मध्य प्रदेश रहे, अंशुमान सिंह चौहान, दल बहादुर सिंह श्रीगुरु बजरंग संघ प्रांत प्रचारक,धीरेंद्र सिंह परिहार, धीरेंद्र सिंह चौहान,अजय सिंह चौहान, अश्वनी सिंह सरपंच, अरुण सिंह, खुशबू सिंह ,रेखा सिंह प्रतिमा सिंह ,रीना सिंह, मंजू सिंह ,कान्हा सिंह, रीना सिंह परिहार ,बृजेंद्र सिंह चौहान लोहारा, जागृति सिंह बघेल अकौरी, स्वतंत्र सिंह एडवोकेट

,रितेश सिंह , हर्ष सिंह , देवेश प्रताप सिंह, विक्रम सिंह ,शुभम सिंह, नमन सिंह, प्रगति सिंह,प्रतिमा सिंह आदि सम्मिलित रहे।

बरही में अवैध एलपीजी भंडारण पर कार्रवाई

» बिना वैध दस्तावेज के होटल गीतांजली से 3 सिलेंडर जब्त

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा रसोई गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के दिए निर्देश के पालन में गुरुवार को जिले की बरही तहसील में अवैध एलपीजी गैस सिलेंडरों के भंडारण एवं उपयोग के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। तहसीलदार बरही श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी यज्ञ दत्त त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम ने कमानिया गेट के समीप पुराने बस स्टैंड क्षेत्र स्थित होटलों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान होटल गीतांजली में 5 कमर्शियल गैस सिलेंडर उपयोग में पाए गए। इनमें से केवल 2 सिलेंडरों के वैध दस्तावेज प्रबंधक द्वारा प्रस्तुत किए जा सके, जबकि शेष 3 सिलेंडरों(19 किलोग्राम भार वर्ग)के संबंध में कोई दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इस पर कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने 3 सिलेंडरों को जब्त कर लिया।होटल के संचालक स्वतंत्र ताम्रकार के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 के उल्लंघन का प्रकरण निर्मित किया गया। वहीं, संतोष होटल में भी कॉमर्शियल सिलेंडरों का उपयोग पाया गया, लेकिन संचालक द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने पर वहां कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू या व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण एवं उपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में निरंतर जांच और सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बोले चुरहट विधायक

» खेलों से बढ़ता है आपसी सद्भाव और भाईचारा : अजय सिंह

लोकतंत्र की शान (कु ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के चुरहट नगर पंचायत अंतर्गत मोहिनी देवी स्टेडियम में आयोजित स्व. राष्ट्रनायक कुंवर अर्जुन सिंह स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। 06 मार्च से प्रारंभ इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला चुरहट एवं हनुमानगढ़ की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें हनुमानगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। समापन अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के खेल आयोजन आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। क्रिकेट एक रोमांचक खेल है, जिसमें हार-जीत लगी रहती है, लेकिन खिलाड़ी भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के उत्कृष्ट आयोजन के लिए समिति बधाई की पात्र है। साथ ही सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह एवं पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष के.डी. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत चुरहट की अध्यक्ष श्रीमती मोनिका गुप्ता ने की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रुद्रप्रताप सिंह बाबा , दानबहादुर

सिंह, रतिभान पटेल, करुण सिंह अध्यक्ष, जिला युवक कांग्रेस, संदीप उपाध्याय दादू, सुखनंदन सोनी, अरविंद तिवारी संकट, बैजनाथ सिंह, विजय गुप्ता, कमलेन्द सिंह डब्बू, कृष्णदेव सिंह केडी, राहुल सिंह, अवध लाल केवट, नागेश्वर साकेत, रमाकांत पाण्डेय एवं विपिन सिंह नौगवां सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण एवं आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

पारंपरिक जवारा महोत्सव का आयोजन

लोकतंत्र की शान (कु ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। इन्द्रवती लोक कला ग्राम रामपुर में तीन दिवसीय जवारा महोत्सव का भव्य एवं श्रद्धामय वातावरण में समापन हुआ। यह आयोजन इन्द्रवती नाट्य समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रभर से आए श्रद्धालुओं, ग्रामीणों और कला प्रेमियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन स्थल को पारंपरिक सजावट और धार्मिक प्रतीकों से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। महोत्सव के दौरान जवारा स्थापना, पूजन और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया। लोगों में गहरी आस्था और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। महोत्सव की खास पहचान रही लोक कलाकारों की आकर्षक और जीवंत प्रस्तुतियां। विभिन्न गांवों से आए कलाकारों ने पारंपरिक लोक नृत्य काली खप्पर और भगत गीत प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों की धुन पर कलाकारों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरे आयोजन में सांस्कृतिक समृद्धि की झलक देखने को मिली। दर्शक देर रात तक कार्यक्रमों का आनंद लेते रहे और कलाकारों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। इस आयोजन ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं से जोड़ने का भी कार्य किया।

प्रबंधन टीम के समर्पण से सफल हुआ आयोजन

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में प्रबंधन टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्थानीय प्रबंधन की जिम्मेदारी राजेश साकेत ने निभाई, जबकि समग्र प्रबंधन प्रजीत कुमार साकेत द्वारा किया गया। ढ का कार्य रजनीश कुमार जायसवाल ने संभाला, वहीं समन्वयन रोशनी प्रसाद मिश्र द्वारा किया गया। आयोजन की परिकल्पना नीरज कुंदेर की रही, जिनके मार्गदर्शन में पूरे कार्यक्रम को एक सुनियोजित स्वरूप मिला। सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास, समर्पण और मेहनत के चलते यह आयोजन बिना किसी अव्यवस्था के सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में समिति द्वारा सभी सहयोगियों, कलाकारों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को और भव्य रूप में आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

बस और बल्कर की टक्कर, एनएच-39 में लगा जाम

तेंदुआ में देर रात हुआ भीषण सडक़ हादसा

लोकतंत्र की शान (कु ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। नेशनल हाइवे-39 सीधी-रीवा मार्ग में शहर के समीपी तेंदुआ में देर रात बस और बल्कर की टक्कर हो गई। उक्त सडक़ हादसे में दोनो वाहनों को भारी क्षति हुई। वहीं सडक़ हादसे के बाद घटनास्थल के दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतारें जाम के चलते लग गई। मिली जानकारी के अनुसार पुरुषवानी बस क्रमांक एमपी 19 पी 7090 खराब होने से तेंदुआ में सडक़ के किनारे मंगलवार से खड़ी थी। गुरुवार की रात करीब 2:30 बजे बल्कर क्रमांक एमपी 19 जेडपी 7762 के चालक द्वारा खड़ी बस में लापरवाही पूर्वक टक्कर मार दी गई। इस सडक़ हादसे में बल्कर के अगले हिस्से का पूरी तरह से परखच्चा उड़ गया। वहीं बस का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो

गया। गनीमत यह रही कि वाहनों में सवार ड्राइवर एवं क्लीनियर को किसी तरह की चोंटे नहीं आईं। घटना के बाद नेशनल हाइवे में आवागवन काफी घंटे तक बाधित रहा। बाद में सूचना मिलने के बाद जमोड़ी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद यातायात बहाल कराया।

कैलवारा खुर्द में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलश यात्रा के माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

लोकतंत्र की शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक 1 मझगवां फाटक के ग्राम केलवारा खुर्द मे नवांकुर संस्था दिव्या जन कल्याण समिति बोहता द्वारा 19 मार्च से 30 जून 2026 तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवांकुर संस्था के सेक्टर प्रभारी राजू यादव के समन्वय और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति केलवारा खुर्द के सहयोग से देवी भजनों का आयोजन किया गया , तत्पश्चात नवांकुर संस्था के सेक्टर प्रभारी राजू यादव के द्वारा अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अभियान में जन भागीदारी के लिए

प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित ग्राम वासियों और महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा का आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के संवर्धन का संदेश दिया गया।जन अभियान परिषद द्वारा नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों ,मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाताओं व छात्र-छात्राओं के सहयोग से अभियान के प्रथम चरण में जन जागरूकता के लिए कलश यात्रा, जल स्त्रोतों का पूजन,वृक्षों का पूजन, प्याऊ की स्थापना के साथ-साथ अन्य जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। द्वितीय चरण में इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न जल स्त्रोतों, कुआं, तालाब, नदी, बावड़ी की जन भागीदारी से साफ सफाई और गहरीकरण आम जन के सहयोग से सामूहिक श्रमदान के माध्यम से किया जाना है। आयोजन में ग्राम पंचायत मझगवां फाटक के सरपंच संतोष निषाद, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा दहिया, सचिव श्रीमती सदा कुशवाहा सहित समिति सदस्यों एवं ग्राम वासियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय पशुओं के लिए सुरक्षित नहीं है सीधी का संजय टाइगर रिजर्व जंगल

» 2012से लगातार हो रही टाइगरो की मौत

» तेंदुए की मौत पर एनटीसीए ने दिए जांच के आदेश

» मड़वास बफर जोन अंतर्गत मिला है तेंदुए का शव

लोकतंत्र की शान (कु ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

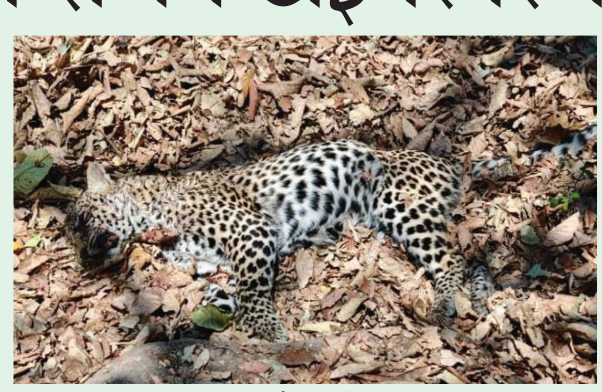

सीधी। जिले के संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र अंतर्गत एक तेंदुए की मौत हो गई है, विभाग के आला अधिकारी इस मौत को संघर्ष की लड़ाई बता रहे हैं, वहीं दूसरे पहलू पर नजर रखते हुए डॉग स्काइड टीम द्वारा भी मौके पर पहुंच कर शिकार की आशंका को देखते हुए खोजबीन की जा रही है। इस संबंध में उप संचालक संजय टाइगर रिजर्व ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 मार्च 2026 की प्रातः गश्ती दल को कक्ष क्रमांक पी-1392, पश्चिम मड़वास बीट, वन परिक्षेत्र मड़वास बफर क्षेत्र में एक नर तेंदुए का शव मिला। घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश भोपाल से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार घटनास्थल को सुरक्षित कर डॉग स्क्वाड की सहायता से आसपास के क्षेत्र में सघन जांच की गई। मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. कैलाश तिवारी एनटीसीए प्रतिनिधि, डॉ. अभय सेंगर वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, संजय टाइगर रिजर्व एवं डॉ. प्रशांत सिंह सेंगर विकासखंड चिकित्साधिकारी कुसमी द्वारा किया गया। प्रथम दृष्टया तेंदुए की मृत्यु आपसी संघर्ष के कारण होना माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि मृत तेंदुए की उम्र लगभग 3 से 4 वर्ष है तथा उसके शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं। पोस्टमार्टम उपरांत बिसरा सुरक्षित कर फोरेंसिक जांच हेतु भेजा जा रहा है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों, एनटीसीए प्रतिनिधि एवं वन्यजीव विशेषज्ञों की उपस्थिति में शव का विधिवत दाह संस्कार किया गया। प्रकरण में आगे की जांच एवं आवश्यक कार्यवाही जारी है।

संक्षिप्त समाचार

जेन जी प्रदर्शन जांच आयोग की रिपोर्ट में मदरसा, मस्जिद, चर्च और गुम्बा की निगरानी बढ़ाने की सिफारिश

काठमांडू। पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग ने राष्ट्रीय सुरक्षा निगरानी को लेकर सरकार को महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में सरकार को काठमांडू सहित देशभर में संचालित मस्जिद, मदरसों, बौद्ध गुम्बा और चर्चों की निगरानी बढ़ाने की सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में बने बड़े और गुम्बा पर प्रभावी निगरानी की जानी चाहिए। काठमांडू में पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए जेन जी विरोध प्रदर्शन से जुड़ी हिंसक घटनाओं की जांच के लिए यह आयोग बनाया गया था। जांच आयोग ने अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को सौंपी रिपोर्ट में मुस्लिम बच्चों की शिक्षा से जुड़े मदरसों के वित्तीय स्रोतों और गतिविधियों की नियमित निगरानी करने तथा ईसाई समुदाय से जुड़े चर्चों की गतिविधियों पर भी नजर रखने की सिफारिश की गई है। आयोग का कहना है कि इन संस्थानों की गतिविधियां संभावित रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं और राज्य को अपनी खुफिया क्षमता को तुरंत मजबूत करना चाहिए। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि तिब्बती ओरिजिनल ब्लड (टीओबी) समूह से जुड़े मोटरसाइकिल सवार युवाओं की गतिविधियां 8 सितंबर को न्यू बानेश्वर स्थित संसद भवन के पास हुई घटना के दौरान तनाव को और भड़काने में सक्रिय दिखीं। आयोग के अनुसार इस समूह की गतिविधियों को लेकर न केवल नेपाल में, बल्कि पड़ोसी देश चीन में भी चिंता व्यक्त की गई। नेपाल आधिकारिक रूप से 'एक चीन नीति' का पालन करता है और रिपोर्ट में कहा गया है कि तिब्बती शरणार्थी भी खुले तौर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल देखे गए। आयोग ने चेतावनी दी है कि यदि नेपाल की भूमि का उपयोग पड़ोसी देशों के खिलाफ गतिविधियों के लिए किया गया, तो इससे देश को कूटनीतिक रूप से कठिन स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, रिपोर्ट में ८ और ९ सितंबर की घटनाओं में टीओबी समूह की संलिप्तता का उल्लेख किया गया है, लेकिन इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है। इसके बजाय, सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर अधिक सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

दिल्ली-लंदन एअर इंडिया फ्लाइट सऊदी से लौटी

नई दिल्ली। नई दिल्ली से लंदन जा रहा एअर इंडिया का A350-900 (VT-JRF) विमान गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली लौट आया। यह करीब सात घंटे हवा में रहा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, विमान ने सुबह करीब 6 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। करीब चार घंटे बाद सऊदी अरब के एयरस्पेस में विमान को लौटाने का फैसला लिया गया। विमान लगभग सात घंटे हवा में रहने के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे वापस दिल्ली पहुंचा। सूत्रों के अनुसार, उड़ान के दौरान विमान में अजीब आवाजें सुनी गईं। हालांकि, एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि एहतियातन विमान को वापस लौटाया गया। दिल्ली में इसकी जांच की जा रही है। यात्रियों को जल्द लंदन पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी विमान में 11 दिन पहले 15 मार्च को भी तकनीकी खराबी आई थी। न्यूयॉर्क से दिल्ली आते समय विमान में सीट नंबर 32 और 33 पर बैठे यात्रियों को फ्लोर के नीचे से तेज कंपन और आवाज महसूस हुई। इससे अचानक उनकी नींद टूट गई। यात्रियों ने तुरंत क्रू को इसकी जानकारी दी। उस समय विमान आयरलैंड के तट के पास था। पायलटों ने तुरंत विमान को शैनन एयरपोर्ट पर डायवर्ट करने का फैसला किया। विमान में करीब 300 लोग सवार थे। यह विमान 19 मार्च को दिल्ली वापस लाया गया। इसके बाद इस विमान ने दिल्ली-लंदन-दिल्ली और दिल्ली-न्यूयॉर्क (रोम के जरिए) रूट पर करीब 10 बार उड़ान भरी, लेकिन गुरुवार को फिर से इसी तरह की तकनीकी समस्या सामने आ गई।

कश्मीर में ईरान के लिए 18 करोड़ चंदा जुटाया गया, बड़गाम जिला सबसे आगे

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन में करोड़ों रुपए का चंदा जुटाया गया है। इससे देश की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। आशंका है कि इन पैसों का इस्तेमाल आतंकी फंडिंग में हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक 17.91 करोड़ रुपए चंदा जुटाया गया है। इनमें से 85% राशि शिया समुदाय ने दान की है। कश्मीर का बड़गाम शिया बहुल इलाका है। यहां से करीब 9.5 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। यह फंडरेजिंग अभियान जकात और सदका के जरिए लिया जा रहा है। इसका उद्देश्य मौजूदा संघर्ष से प्रभावित ईरानी नागरिकों की मदद करना बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक भारत में ईरानी दूतावास ने सीधे पैसे ट्रांसफर करने के लिए एक विशेष बैंक अकाउंट भी खोला है, जिसमें UPI के जरिए भुगतान की सुविधा दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि चंदे की राशि और बढ़ सकती है। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे सीधे दूतावास के आधिकारिक माध्यमों से ही पैसा भेजें, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। खुफिया सूत्रों ने यह भी बताया कि पहले भी चैरिटी के नाम पर जुटाए गए फंड के दुरुपयोग के मामले सामने आ चुके हैं।

महाराष्ट्र- गिरफ्तार बाबा पर 5 नरबलि की आशंका, महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था

नासिक/मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को 'कैप्टन' और 'कॉस्मोलॉजी एक्सपर्ट' बताने वाला अशोक खरात यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और ठगी के आरोपों में जांच के दायरे में है। जांच में उसके नेटवर्क, संपत्तियों और हाई-प्रोफाइल कनेक्शन सामने आए हैं। पुलिस को 5 नरबलि के संकेत मिले हैं, जिनकी पुष्टि के लिए फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। SIT की छापेमारी में 100 से ज्यादा संदिग्ध वीडियो, 8 लाख रुपए नकद, एक पिस्टल और बड़ी मात्रा में संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। पिस्तौल की 5 गोलियां गायब हैं, जिससे नरबलि की आशंका और गहरी हुई है। अब तक उसके खिलाफ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और अंधश्रद्धा विरोधी कानून के तहत 8 केस दर्ज हो चुके हैं। दरअसल, पुलिस ने 67 साल के अशोक खरात को 35 साल की महिला से बार-बार रेप करने और ब्लैकमेल करने के आरोप में 18 मार्च को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि खरात 'शुद्धिकरण' और तांत्रिक उपायों के नाम पर महिलाओं को फंसाता था। वह बीमारी, पारिवारिक विवाद या संतान की चाह रखने वालों को निशाना बनाता था। स्पाय कैम से वीडियो बनाकर बाद में ब्लैकमेल करता था। SIT ने उसके पूर्व ऑफिस सहायक नीरज जाधव को हिरासत में लिया है। आरोप है कि वह लैपटॉप से CCTV फुटेज एक्सेस कर अश्लील क्लिप बनाता था। पुलिस ने दो लैपटॉप और 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी दस्तावेज जब्त किए हैं। वीडियो की फॉरेंसिक जांच से पीड़ितों और नेटवर्क की पहचान की जा रही है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर झड़प, 3 की मौत

ईद पर 5 दिन का सीजफायर खत्म होने के बाद हिंसा शुरू, 3 पाकिस्तानी चौकियां तबाह

एजेंसी, काबुल/इस्लामाबाद

अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर बुधवार को फिर से लड़ाई शुरू हो गई। अफगान तालिबान अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 2 आम नागरिकों की मौत हो गई और 8 घायल हो गए। वहीं पाकिस्तान का भी एक नागरिक मारा गया। अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने मिलकर ईद को लेकर 5 दिनों का अस्थायी युद्धविराम घोषित किया था। 25 मार्च को सीजफायर खत्म होने के बाद दोनों देशों में फिर से झड़प शुरू हो गई। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक एक अफगान अधिकारी ने बताया कि युद्धविराम खत्म होते ही पाकिस्तानी सेना ने नरई और सरकानो इलाकों में दर्जनों तोप के गोले दागे। उन्होंने कहा कि जवाब में अफगान सीमा बलों ने भी गोलीबारी की और तीन पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को तबाह कर दिया, इस हमले में 1 व्यक्ति मारा गया।

पाकिस्तान के हमले में 400 लोगों की मौत हुई थी: यह हिंसा उस समझौते के करीब एक हफ्ते बाद हुई है, जिसमें दोनों देशों ने लड़ाई रोकने पर सहमति जताई थी। यह समझौता सऊदी अरब, तुर्किये और कतर के कहने पर हुआ था। इससे पहले पाकिस्तान ने 17 मार्च की रात अफगानिस्तान में हवाई हमले किए थे। अफगान तालिबान सरकार का दावा है कि इन हमलों में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोग मारे गए थे। हालांकि पाकिस्तान ने नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है और कहा है कि उसने एक गोला-बारूद के भंडार पर हमला किया था। मीडिया और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में नशा मुक्ति केंद्र पर हमले की बात सामने आई, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने किसी नागरिक के मारे जाने की बात स्वीकार नहीं की। इसके बजाय पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने आरोप लगाया कि तालिबान नशे के आदी लोगों को आत्मघाती हमलों के लिए इस्तेमाल करता है। हालांकि उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।

TTP ने भी 3 दिनों का सीजफायर तोड़ा: इधर, पाकिस्तान तालिबान यानी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) ने भी कहा है कि उसने ईद के 3 दिन के अपने युद्धविराम के बाद पाकिस्तान के अंदर हमले फिर से शुरू कर दिए हैं। TTP, अफगान तालिबान से अलग है लेकिन उसके साथ जुड़ा हुआ है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद से TTP ने पाकिस्तान में अपने हमले बढ़ा दिए हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने TTP को आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है। पाकिस्तान का आरोप है कि काबुल TTP के नेताओं और हजारों लड़ाकों को पनाह दे रहा है, जो सीमा पार से हमले करते हैं।

इजराइल और हिज्बुल्लाह से युद्धविराम करने की अपील

एजेंसी, अंकारा

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने इजराइल और लेबनान के उग्रवादी संगठन हिज्बुल्लाह के बीच जारी युद्ध पर गहरी चिंता जतायी है और नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर दोनों पक्षों से युद्धविराम करने की अपील की। तुर्किये की संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी की एक रिपोर्ट में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा ने मौजूदा हालात को बेहद खराब बताते हुए कहा कि देश में 13 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। उन्होंने इस संदर्भ में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन से बातचीत की और यूरोपीय परिषद की ओर से संवेदना एवं समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने लेबनान द्वारा हिज़्बुल्लाह की सैन्य गतिविधियों पर रोक लगाने के कदम का स्वागत किया और संगठन से तुरंत हमले बंद करने को कहा।

कोस्टा ने इज़राइल से भी अपने सैन्य अभियान रोकने और लेबनान के अधिकारियों के साथ सीधे संवाद शुरू करने की अपील की। उन्होंने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और नागरिकों एवं बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। गौरतलब है कि दो मार्च को हिज़्बुल्लाह के सीमा पार हमलों के बाद इजराइल ने लेबनान में हवाई हमले शुरू किए और दक्षिणी हिस्सों में जमीनी कार्रवाई भी की। लेबनान के मुताबिक इन हमलों में अब तक 1,072 लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 2,966 लोग घायल हुए हैं।

यह तनाव उस समय और बढ़ गया जब अमेरिका एवं इज़राइल ने ईरान पर संयुक्त हमले किए। जवाब में ईरान ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के जरिए प्रतिक्रिया दी, जिनका निशाना इजराइल के साथ-साथ जॉर्डन, इराक और खाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्से भी बने।

शहीदों के सम्मान में स्वच्छता अभियान, 120 किलो प्लास्टिक कचरा एकत्र

एजेंसी, शिमला

राजधानी शिमला में शहीदों के सम्मान में "मेरा भारत–मेरी ज़िम्मेदारी" पहल के तहत गुरूवार को युवाओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर करीब 120 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया। यह अभियान मेरा युवा भारत, शिमला, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वयंसेवकों और खेल एवं सांस्कृतिक संघ, शिमला के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया।

इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान में खेल एवं सांस्कृतिक संघ, शिमला के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, सचिव कविन ऋतुराज, उपाध्यक्ष अभिनव गौतम और शुभम् चक्रवर्ती सहित कई स्वयंसेवक सक्रिय रूप से शामिल रहे। स्वयंसेवकों ने रिज मैदान से जाखू हनुमान मंदिर तक पूरे मार्ग के दोनों ओर सफाई अभियान चलाया।

सफाई अभियान के दौरान लगभग 120 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया गया, जिसमें अधिकतर एक बार उपयोग होने वाला प्लास्टिक शामिल था। अभियान का उद्देश्य केवल क्षेत्र की सफाई करना ही नहीं था बल्कि लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी था। स्वयंसेवकों ने आम लोगों को बताया कि एक बार उपयोग होने वाला प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है और इसके उपयोग को कम करना बहुत जरूरी है।

इजराइल बोला- होर्मुज बंद करने वाले ईरानी कमांडर को मारा, ईरान की बाब-अल-मंदेब पर हमले की धमकी

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

इजराइल ने ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के नौसेना चीफ अलिरेजा तंगसीरी को मारने का दावा किया है। इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि ईरान के बंदर अब्बास इलाके में हुई एयरस्ट्राइक में तंगसीरी मारे गए। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, तंगसीरी वही कमांडर थे जिन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की प्लानिंग की थी। हालांकि ईरान ने अभी तक तंगसीरी के मौत की पुष्टि नहीं की है।

ईरान की होर्मुज के बाद बाब-अल-मंदेब पर हमले की धमकी: इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला (ग्राउंड इनवेजन) कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं। दुनिया के करीब 12 प्रतिशत तेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट है। बाब-अल-मंदेब अफ्रीकी देश जिबूती में मौजूद अमेरिकी मिलिट्री बेस इस स्ट्रेट से सिर्फ

30 किमी दूर है। अगर बाब-अल-मंदेब में भी रुकावट आती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष और बढ़ सकता है।

ईरान की मदद कर सकते हैं हूती विद्रोही: यह यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट को जोड़ने वाला अहम समुद्री रास्ता है। हर साल करीब 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 94 लाख करोड़ रुपये) का सामान इस रास्ते से गुजरता है। रोजाना लगभग 45 लाख बैरल तेल यहां से ट्रांसपोर्ट होता है। हालांकि, इसे बंद करना ईरान के लिए आसान

♦ यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट

नहीं है, क्योंकि यह स्ट्रेट ईरान से करीब 2500 किमी दूर है। हालांकि यह यमन के पास स्थित है, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोही मौजूद हैं। पहले भी गाजा युद्ध के दौरान हूती ने ड्रोन और मिसाइल से जहाजों को निशाना बनाया था, जिससे रेड सी का ट्रैफिक प्रभावित हुआ था।

ईरान की मदद कर सकते हैं हूती विद्रोही: यह यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट को जोड़ने वाला अहम समुद्री रास्ता है। हर साल करीब 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 94 लाख करोड़ रुपये) का सामान इस रास्ते से गुजरता है। रोजाना लगभग 45 लाख बैरल तेल यहां से ट्रांसपोर्ट होता है। हालांकि, इसे बंद करना ईरान के लिए आसान नहीं है, क्योंकि यह स्ट्रेट ईरान से करीब 2500 किमी दूर है। हालांकि यह यमन के पास स्थित है, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोही मौजूद हैं। पहले भी गाजा युद्ध के दौरान हूती ने ड्रोन और मिसाइल से जहाजों को निशाना बनाया था, जिससे रेड सी का ट्रैफिक प्रभावित हुआ था।

बंगाल में टीएमसी-बीजेपी वर्कर्स में झड़प, 20 घायल

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती (एससी) विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इसमें 20 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। 8 लोग हिरासत में लिए गए हैं। यहां 29 अप्रैल को दूसरे फेज में मतदान होना है। उधर, चुनाव आयोग ने बताया कि 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 15 मार्च को चुनाव घोषणा के बाद से अब तक 400 करोड़ से अधिक के अवैध प्रलोभन जब्त किए गए हैं। इसमें 17.44 करोड़ कैश, 37.68 करोड़ की शराब, 167.38 करोड़ के ड्रग्स, 23 करोड़ के कीमती धातु और 163.30 करोड़ से अधिक के अन्य फ्रीबीज शामिल हैं।

असम भाजपा अध्यक्ष बोले- कांग्रेस कट्टरपंथियों को चुपचाप बढ़ावा दे रही: असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि कांग्रेस अपने नए नारे का इस्तेमाल करके असम को बांग्लादेश में शामिल करने की कोशिश कर रहे कट्टरपंथी तत्वों को चुपचाप बढ़ावा दे रही है।

अभिषेक बनर्जी बोले- लोगों को नागरिकता का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा रहा: TMC नेता अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर SIR की आड़ में

देश के नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी में TMC उम्मीदवार निर्मल चंद्र रॉय के समर्थन में प्रचार करते हुए उन्होंने भाजपा पर धर्म के आधार पर राजनीति करने और लोगों का ध्यान आजीविका और आवास जैसे मूलभूत मुद्दों से भटकाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- केंद्र में भाजपा सरकार देश के वास्तविक नागरिकों के खिलाफ साजिश रच रही है। SIR के नाम पर सौ साल से यहां रह रहे लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने गुरुवार को RSS कार्यक्रम में विपक्ष के नेता वी डी सतीशान की एक पुरानी तस्वीर फेसबुक पर पोस्ट की। विजयन ने कैप्शन में लिखा- केरल के

♦ 5 राज्यों से 400 करोड़ की जब्ती, हिमंता बोले- कांग्रेस यहां नहीं, पाकिस्तान में सरकार बना सकती है

धर्मनिरपेक्ष लोगों को सतीशान की प्रतिक्रिया जानने का अधिकार है, जिन्होंने 2006 में अपने परवूर निर्वाचन क्षेत्र में माधव सदाशिव गोलवलकर शताब्दी समारोह में भाग लिया था। विजयन ने कहा- 2006 में RSS की तरफ से परवूर में आयोजित गोलवलकर जन्म शताब्दी समारोह में शामिल सतीशान को यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस समझौते के तहत उन्हें उद्घाटनकर्ता के रूप में शामिल होने, गोलवलकर की तस्वीर के सामने सिर झुकाने और दीप प्रज्वलित करने की इजाजत मिली थी।

CM ने आरोप लगाया कि सतीशान इस कार्यक्रम से जुड़े सवालों से लगातार बचते रहे हैं और इसके बजाय 2013 में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम का हवाला देते रहे हैं। एम एस गोलवलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के दूसरे सरसंघचालक थे और उन्होंने संगठन की दृष्टि और संरचना को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

डीएम व एसपी ने केदारनाथ धाम पहुंचकर यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी, देहरादून

आगामी केदारनाथ धाम यात्रा के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने श्रीकेदार सभा के अध्यक्ष, बीकेटीसी के प्रतिनिधियों तथा हक-हकूकधारियों के साथ केदारनाथ धाम पहुंचकर व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

केदारनाथ धाम में संयुक्त निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने यात्रा व्यवस्थाओं के दृष्टिगत बर्फ हटाने, यात्रा पैदल मार्ग दुरुस्त करने, सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा मूलभूत सुविधाओं को पुनर्स्थापित किए जाने की प्रगति का जायजा लिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि केदारनाथ धाम यात्रा आगामी 22 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रही है, जिसके दृष्टिगत प्रशासन

सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में धाम क्षेत्र में लगभग 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी हुई है, जिसे हटाने के लिए संबंधित विभागों की टीमों को लगातार सक्रिय किया जा रहा है। बर्फ हटने के साथ ही धाम में दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी। साथ ही, यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं—जैसे पेयजल, विद्युत, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं आदि—समयबद्ध तरीके से पुनर्स्थापित करने के लिए लगातार टीमें भेजी जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

चम्बल का पानी चित्तौड़ लाने का मार्ग प्रशस्त, कार्यादेश जारी गहलोत सरकार में स्वीकृत हुई थी परियोजना

एजेंसी, चित्तौड़गढ़

विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में पेयजल समाधान के लिए राजस्थान की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में स्वीकृत चंबल परियोजना धरातल पर उतरने जा रही है। इसके लिए 648 की करोड़ की लागत वाली इस योजना में एलएनटी कंपनी को 636 करोड़ रुपए की राशि में कार्यादेश जारी हो गया है। यह कंपनी वर्तमान में बेगू-भैंसरोड़गढ़ चम्बल परियोजना का कार्य भी कर रही है।

इस परियोजना को लेकर पूर्व विधायक सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने बताया कि कांग्रेस सरकार में भीलवाड़ा के सहाड़ा में प्रभारी के तौर पर गांव-गांव में चुनावी दौरे के दौरान वहां पानी का क्राइसिस देखा था। उसी वक्त चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए पानी के संकट को दूर करने के लिए उस समय के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से चम्बल परियोजना की

मंजूरी 2021-2022 में ही करवा दी थी। निरन्तर तात्कालीन मुख्य अभियंता पीएचडी लुहाड़िया, दिनेश गोयल एवं अन्य अधिकारियों के संपर्क में रह कर इस योजना को मूर्त रूप देने के प्रयास में लगा रहा। सरकार बदलने के बाद भी योजना को लेकर अधिकारियों से बराबर संपर्क में रहा एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस योजना के लिए बार-बार फीडबैक लेते रहते थे। इस योजना की मंजूरी के लिए चित्तौड़गढ़ की जनता को उनका आभार। पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने बताया कि पूर्व में बार-बार उच्च बीड की वजह से कार्यादेश निरस्त हो जाते थे एवं नेगोसिएशन भी सफल नहीं हुए थे।

गन्ना बीज उत्पादन कर 57 हजार से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं बनीं सफल उद्यमी

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गन्ना की खेती के क्षेत्र में महिलाओं ने अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए नया इतिहास रच दिया है। योगी सरकार में प्रदेश की 57 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं गन्ना उत्पादन से जुड़कर सफल उद्यमी बन चुकीं हैं। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। प्रदेश में वर्ष 2020-21 में शुरू किए गए "उन्नत गन्ना बीज वितरण कार्यक्रम" से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। इस योजना के तहत 37 गन्ना आच्छादित जिलों में 3,163 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। इनमें 57,322 महिलाओं को स्वरोजगार मिला है। साथ ही इस पहल से अब तक लगभग साढ़े चार लाख से अधिक कार्य दिवसों का रोजगार सृजित हुआ है।

गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस. ने बताया कि

गन्ना उत्पादन के क्षेत्र में पहली बार योगी सरकार के दौरान महिला किसानों को पर्ची निर्गमन में प्राथमिकता दी गई है। इससे प्रदेश की लगभग डेढ़ लाख महिला गन्ना लघु किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है।

इस निर्णय ने महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाया है और उन्हें खेती में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया है। योगी सरकार ने इस योजना में सामाजिक समावेशन का भी विशेष ध्यान रखा है। इसमें 10,270 अनुसूचित जाति और 130 अनुसूचित जनजाति की महिलाओं

♦ प्रदेश की डेढ़ लाख महिला गन्ना लघु किसानों को सीधे तौर पर मिल रहा लाभ

को शामिल किया गया है, जो अब आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रहीं हैं।

महिला स्वयं सहायता समूहों ने अब तक 60.73 करोड़ गन्ना बीज तैयार किए हैं। इसके बदले उन्हें 77.83 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को बड़े स्तर पर आर्थिक लाभ मिला है और वे अब कृषि आधारित उद्यमिता की नई पहचान बना रहीं हैं। गन्ना खेती में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से प्रदेश में न सिर्फ रोजगार के अवसर बढ़े हैं, बल्कि गांवों में आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिली है।

जेलों में मौतें,आत्महत्याएं, अव्यवस्थाएं -सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन?- सुप्रीम कोर्ट का नोटिस,राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का स्वतः संज्ञान- जेल व्यवस्था, मानवाधिकार और न्याय प्रणाली पर वैश्विक प्रश्नचिन्ह

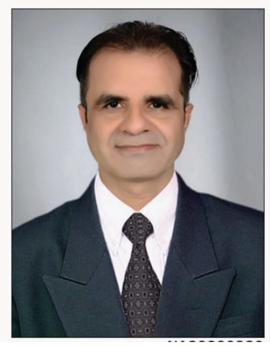

लोकतंत्र की शान

» ज़ेलों में विचाराधीन कैदी- न्याय से पहले सजा?क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं?

» सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए।सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?, यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं।इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित नेल्सन मंडेला नियम (यू एन स्टैंडर्ड मिनिमम् रूल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ प्रिजनर्स) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।उन्हें पर्याप्त भोजन,स्वच्छ पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं। साथियों बात अगर हम भारत में जेलों की भीड़ःएक गंभीर संरचनात्मक संकट को समझने की करें तो,भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है। साथियों बात अगर हम विचाराधीन कैदीः न्याय से पहले सजा? इसको समझने की करें तो,विचाराधीन कैदी वह होते हैं जिन्हें अभी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है, फिर भी वे वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं। यह स्थिति निर्दोषता की धारणा (प्रेसम्प्शन ऑफ़ इनोसेंस) के सिद्धांत के विपरीत है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं।दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है।इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गईं,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है।इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी। साथियों बात अगर हम छत्तीसगढ़ का मामलाः एक राज्य, कई सवाल इसको समझने की करें तो छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुईं और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गईं। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है।इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। साथियों बात अगर हम न्यायपालिका की सक्रियताः सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है।यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है। साथियों बात अगर हम मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्याएंः अदृश्य संकट इसको समझने की करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।ग्लोबल प्रिजन ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में जेलों के भीतर आत्महत्या और हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है। यह केवल एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर जेल सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है। साथियों बात अगर हम संचार और मानवीय संपर्कः एक नई पहल इसको समझने की करें तो, कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संचार के साधनों को बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें कैदियों को अपने परिवारजनों से मुफ्त वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देने की बात कही गई है।यह पहल कैदियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने और उनके सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग जेल सुधार के लिए एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। साथियों बात अगर हम सुधार की दिशा में आवश्यक कदम को समझने की करें तो जेल सुधार के लिए बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि विचाराधीन कैदियों की संख्या कम हो सके। इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, डिजिटल सुनवाई और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना होगा।दूसरा, जेलों की क्षमता बढ़ाने और नए सुधार गृहों का निर्माण करना आवश्यक है। तीसरा, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना होगा,डॉक्टरों की भर्ती, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना होगा।चौथा कैदियों के लिए कौशल विकास और शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने होंगे ताकि वे समाज में पुनः स्थापित हो सकें।पांचवां, जेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, जिसमें स्वतंत्र निगरानी तंत्र की स्थापना महत्वपूर्ण होगी। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यः एक साझा चुनौती को समझने की करें तो जेलों की बदहाल स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका,ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और फिलीपींस जैसे देशों में भी जेलों में भीड़भाड़, हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं मौजूद हैं।हालांकि, कुछ देशों ने सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, नॉर्वे की जेल व्यवस्था को दुनिया में सबसे मानवीय माना जाता है, जहां कैदियों को पुनर्वास और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह मॉडल अन्य देशों के लिए प्रेरणा बन सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि न्याय का असली अर्थ,जेलें किसी भी सभ्य समाज का दर्पण होती हैं। यदि जेलों में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, तो यह पूरे समाज की विफलता का संकेत है। सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए।"सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं? यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है। क्या हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां न्याय केवल कागजों तक सीमित है, या हम वास्तव में एक मानवीय और न्यायपूर्ण व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं?समय आ गया है कि जेल सुधार को प्राथमिकता दी जाए,क्योंकि न्याय केवल अदालतों में नहीं, बल्कि जेलों की दीवारों केभीतर भी सुनिश्चित होना चाहिए।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय
लेखक चिंतक कवि संगीत
माध्यमा सीए(एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

लेखक- ऋतुपर्ण दवे

वास्त्व में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरुआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में ष्थिएटर ऑफ नेशंसष् सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वार्ताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक. अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरुआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया। हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष् यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है। चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चर्चाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है। रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

धार्मिक स्थलों को क्यों नही मिलती बंदरों से मुक्ति

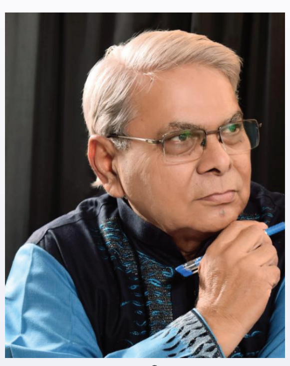

अशोक मधुप वरिष्ठ पत्रकार

धार्मिक स्थलों को बंदरों से क्यों नही मिलती मुक्ति। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इन स्थानों पर आने वाले श्रृद्धालु कब तक इनके आंतक झेलते रहेंगे? कब तक इनका शिकार होते रहेंगे? हाल में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने कार्यकाल में 19 मार्च को वृंदावन आईं। वे दूसरी बार यहां आईं है। इससे पहले इसी पद पर रहते हुए प्रणब मुखर्जी व रामनाथ कोविंद भी अपने कार्यकाल में दो बार वृंदावन आए थे। लेकिन, राष्ट्रपति मुर्मु वृंदावन के तीन दिवसीय प्रवास पर आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्रप्रसाद, ज्ञानी जैल सिंह एक बार वृंदावन आए। उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए डॉक्टर शंकरदयाल शर्मा, आर वेंकटरामन, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी वृंदावन अपनी धार्मिक यात्रा पर आ चुके हैं।

निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी दो बार वृंदावन आए। आश्रय सदन में वृद्ध विधवा माताओं से मुलाकात करने आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते प्रणब मुखर्जी पहली बार 16 नवंबर 2014 को अक्षयपात्र में चंद्रोदय मंदिर के भूमि पूजन में आए तो दूसरी बार 18 नवंबर 2015 को चैतन्य महाप्रभु के वृंदावन आगमनोत्सव के पांच सौ वे वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते ज्ञानी जैल सिंह 1987 में वृंदावन आए और रंगजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे 1957 में देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्रप्रसाद वृंदावन आए। उप राष्ट्रपति पद पर रहते 1985 में आर वेंकटरामन, 1993 में डॉ. शंकरदयाल शर्मा, 1959 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वृंदावन आ चुके हैं। राष्ट्रपति या कोई वीवीआईपी जब भी वृंदावन आता है। प्रत्येक बार उनकी सुरक्षा तो होती ही है। सबसे बड़ा काम होता है वीवीआईपी को यहां के झपटमार बदंर से बचाना। ये बंदर झपटामार कर श्रद्धालु का चश्मा उतारते और किसी ऊंची जगह पेड़ या दीवार पर जाकर बैठ जाते हैं। ये चश्मा तभी लौटाते हैं जब उन्हें खाने के लिए फ्रुटी, केला या दूसरे खाने के सामान दिए जाएं। वीवीआईपी दौरे को देखते हुए प्रशासन लंगूरों के जगह- जगह कट आउट लगवाता है। माना जाता है कि लंगूर से बंदर डरतें हैं।उन्हें डराने के लिए ऐसा किया जाता है। कुछ जगह लंगूर भी लाकर बांध दिए जाते हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की सुरक्षा से लेकर रूट पर व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने रात दिन एक कर दिया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के दौरे को देखते एक प्रशासन ने लंगूरों के जगह- जगह कट आउट लगवाए। लेखक को चित्रकूट में हनुमान गढ़ी जाने का अवसर मिला। वहां रास्ते में बंदर और लंगूर मिलते और आपके कपड़े और बैग पकड़कर रोक लेते हैं। वे आपके बैग और जेब से खाने का सामान प्रसाद आदि निकालकर ही आपको आगे जाने देते हैं। शुक्रताल में तो हनुमान धाम में बंदरों को भगाने के लिए लंगूर बांधा हुआ था। बंदर उसके अभयस्त हो गए थे। उन्हें पता था कि रस्सी में बंधे लंगूर की पंहुच कहां तक हैं। बदंर आते और लंगूर की पंहुच की दूरी से अगल रहकर लौट जाते। प्रश्न है कि वीवीआइपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती है। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नही समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नही ऐसी व्यवस्थाएं होती। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते है। इतना होने पर भी उसके भोजन की व्यवस्था क्यों नही करते। अयोध्या में बड़ी तादाद में बंदर है। हनुमान गढ़ी पर मैंने बंदरों को फूलों की माला तोड़कर उसमें भोजन के अंश तलाशते देखा है। इसी शहर में डस्टविन से भोजन खोजते बंदर मुझे मिलें हैं। हमारी समाज सेवी संस्थाए क्यों नही इनके भोजन की जरूरत पूरी करती। बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढती बंदरों की जनसंख्या को भोजन चाहिए। भोजन ने मिलने वह निरीह प्राणी अपना पेट भरने के लिए कुछ तो करेगा। बंदरों के आतंक के कारण कई शहरों में तो महिलाओं और बच्चों का छतों पर जाना कठिन हो गया है। शहरों की नही अब तो जंगल में भी इनकी बढ़ती आबादी किसानों के लिए संकट बन चुकी है। भोजन के अभाव में बंदर खेतों की फसल तोड़कर खा रहे हैं। गेंहू की बाली खा जाते है। बोए गए गन्ने के बीज जमीन से निकाल कर वे अपनी उदरपूर्ति कर रहे हैं। किसान फसल की रक्षा को लेकर परेशान हैं।अब तो किसानों ने खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं। आज बंदरों का आंतक धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर भी बढ़ता जा रहा है। शहरी आबादी के साथ किसान भी परेशान है। आज जरूरी हो गया है कि सरकार द्वारा बंदरों की आबादी कम करने के लिए अभियान चलाया जाए। बंदरों के ग्रुप लीडर की नसंबदी कराकर उनकी आबादी नियंत्रित की जाए। जनता के शोर मचाने पर बंदरों का पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाना कोई स्थायी निदान नही है। ये जंगल और वनों से लौटकर फिर आबादी की ओर आ जाते हैं। बढ़ती बंदरों की आबादी को भोजन चाहिए। भोजन न मिलने पर उन्हें भी पेट भरना है। जैसे आदमी अपनी भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए दूसरे साधन ढ़ुंढ़ता है। वैसे ही आज बंदर कर रहे हैं। तीर्थ स्थलों पर चश्मा छीन रहे हैं तो कुछ जगह श्रद्धालुओं को पकड़कर उनके बैग से भोजन ले रहे हैं। गांव और शहरों में भोजन के लिए कपड़े उठाकर ले जाना आम बात है। ये उठाए गए कपड़े तब छोड़ते हैं, जब उन्हें खाने की सामग्री मिल जाए।

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नित्य अविनाशी दयानिधि भगवान श्री राम

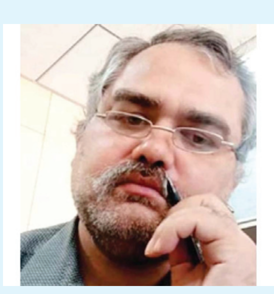

लेखक- संजय गोस्वामी

राम नवमी 2026, 26 मार्च को है, जिसे उपवास, प्रार्थना और रामायण पढ़ने के साथ मनाया जाता है।जो नित्य, अविनाशी, आदि पुरुष, परब्रह्म राम है वे ही हृदय में रहते हैं। प्रकट करने के लिए स्वयं को प्रयास करना होगा। दूसरे का इसमें कोई रोल नहीं है। अपका स्वरूप परमचेतन ब्रह्म है, उनसे प्रत्यक्ष होना स्वयं पर निर्भर है। ऋषियों द्वारा और बाद के संतों ने भी अपनी शब्दों में राम को ,सत्य नाम का वर्णन किया है यह जो उल्टा नाम जपे जग जाना यह कोई व्यक्ति विशेष का नाम नहीं यह नाम राम ही प्रभु को ही नाम कहा है उसी का सुमिरन सुरती को उलट कर संत अपने आत्मा में अनुभव करते हैं यह साधना का विषय है अनुभव का विषय है जीव सनातन ईश्वर का अंश है उसी प्रकृति के कारण सदैव आनन्द की तलास में रहता है। इस प्रकिया में कभी स्त्री पुत्र से तो कभी धन सम्पत्ति से तो कभी स्वादिष्ट पदार्थों से सदैव आनन्द प्राप्त करने में सतत् लगा रहता है, परंतु उपरोक्त सभी आनन्द क्षणिक होते हैं। और नये आनन्द के प्रयास में लग जाता है। जीवन के आखिरी क्षण तक सतत् यही प्रयास चलता रहता है। वास्तव में पदार्थों में आनन्द है ही नहीं केवल आनन्दका आभास है, वह उसे भोगने के बाद मिट जाता है। इसलिए जो आत्मानन्द जो स्वयं का स्वरूप है, जबतक इसमें स्थित नहीं होंगे तबतक पूर्ण आनन्द नहीं मिलेगा।जब आप बुलंदी पर रहते हैं तो सब अच्छा लगता है लेकिन जब आप दुःख में रहते हैं तो पहले अपनी बात लोगों को बताने पर लोग आपकी मदद करते थे लेकिन अब समय वैसा नहीं है अगर दुःख की बात करेंगे तो आपकी ही गलती निकालेंगे या परिवार को बदलने की सलाह देंगें और फिर जब कुछ समझ नहीं आता तो अन्त में लोग आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैं अतः आज व्हाट्सप्प का युग है डेली प्रवचन होता है और आपस में लड़ाई भी यानि आज लोग खुद अपने दुःखो से परेशान है आखिर आपका दुःख क्यों सुने समय नहीं लोग आज बदल गए हैं अतः आप अपनी बात दुःख में किसी से शेयर करेंगे तो लोग मज़ाक ही नहीं हवा की तरह पूर्ण समाज में फैलती है लेकिन आपको यानि मानव को भगवान राम ने असीमित शक्ति प्रदान की है जो जीवन में गलत कर्मों या कष्ट में बचाता है जब लंका पार करने की बात आती है तो ऋक्षराज जाम्बवान् ने श्री हनुमानजी से कहा- हे हनुमान्! हे बलवान्! सुनो, तुमने यह क्या चुप साध रखी है? तुम पवन के पुत्र हो और बल में पवन के समान हो। तुम बुद्धि-विवेक और विज्ञान की खान हो॥2॥

कवन सो काज कठिन जग माहीं।
जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं॥
राम काज लगि तव अवतारा।
सुनतहिं भयउ पर्बताकारा॥3॥

जगत् में कौन सा ऐसा कठिन काम है जो हे तात! तुमसे न हो सके। श्री रामजी के कार्य के लिए ही तो तुम्हारा अवतार हुआ है। यह सुनते ही हनुमान्जी पर्वत के आकार के (अत्यंत विशालकाय) हो और हनुमान जी विशाल रुप से उड़ते हुए लंका पार कर जाते हैं अतः

जीवन में गलत कर्मों से विभिन्न समस्याओं और जटिलताओं को जन्म दे सकता है, जिनमें शामिल हैं: गिरना और चोट लगना और सम्भलने की ताकत : चक्कर आने से गिरने और चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर बुजुर्गों में होता लेकिन कभी कभी आदमी के सोचने और हरबड़ाहट के कारण भी गिर जाता है भगवान राम का ध्यान करने से आप संयम से काम लेते हैं जैसे जैसे जब भगवान राम के भाई भरत उन्हें मनाने आते हैं तो भ्राता लखण के मन में लड़ने की धारणा बनती है लेकिन भगवान राम ने लक्ष्मण को समझाते हैं की उसकी धारणा प्रेम की है श्री राम का विश्वास किसी एक घटना या सबूत पर आधारित नहीं था, बल्कि भरत के संपूर्ण चरित्र और स्वभाव की जीवन भर की समझ पर टिका था। वे जानते थे कि भरत का मूल स्वभाव धर्म, प्रेम और त्याग का है।अतः जब त्याग की भावना आएगी तब आप हरबड़ाहट में नहीं शान्ति और धैर्य से काम लेंगे जिससे आप संयम से काम लेंगे जिससे आप ना तो गिरंगे और ना ही चोट लगेगी क्योंकि भगवान राम अपने भक्तो को हर समय सँभलने का मौका देता है जैसा लगेगा की आपको अपने गोद में ही ले लिया।

जीवन की गुणवत्ता में कमी को दूर करना : बार-बार या लंबे समय तक चक्कर आना किसी व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता कम हो सकती है।जीवन की गुणवत्ता अच्छी होंगी आप बुरे लोगों से आसानी से पीछा छुड़ा लोगे आप राम जी के जीवन से यह सिख ले सकते हैं कि अपने लक्ष्य का पीछा तब तक न छोड़ें, जब तक की आप उसे प्राप्त न कर लें। क्योंकि अगर आप पूरी मेहनत और लगन के साथ लक्ष्य प्राप्ति में लग जाते हैं, तो वह आपको हासिल होकर ही रहता है। रामकथा से भी हमें यही सीख मिलती है कि अंत में सफलता जरूर मिलती है।

चिंता और अवसाद: लगातार चक्कर आने से भावनात्मक परेशानी हो सकती है, जिससे चिंता और अवसाद हो सकता है।चिंता विकार हमें उन स्थितियों में भी चिंतित कर देते हैं जहां दूसरों को खतरा महसूस नहीं होता।भगवान राम का ध्यान करने से अपने आप ही चिंता मिलेगी और आप हमेशा खुश रहेंगे। चक्कर आने के कारण भारी मशीनरी चलाना या चलाना असुरक्षित हो सकता है, जिससे स्वयं और दूसरों के लिए खतरा पैदा हो सकता है।किसी एक ध्येय पदार्थ में धारणा ध्यान और समाधि तीनों होने से संयम कहलाता है।

काम या सामाजिक गतिविधियां छूट जाने पर उत्साह : चक्कर आने के कारण कार्यदिवस छूट सकता है और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी कम हो सकती है।लेकिन जो भगवान राम के चरणों में बार बार ध्यान करता है उसे पुनः एक नई ऊर्जा मिलती है और फिर बीते समय को भूल कर अपने अच्छे काम के कारण पुनःसामाजिक गतिविधियां में उसका काम ही कुछ ऐसा होता है कि पुनः लोग उसकी प्रशंसा करते हैं अतः राम हमें हारने नहीं काम में हुई गलती को बारीकी से समझने का मौका देता है जिससे पुनः नया उत्साह आता है।

अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियाँ में सुधार : चक्कर आना अंतर्निहित चिकित्सा समस्याओं का एक लक्षण हो सकता है, जिनमें से कुछ के लिए विशिष्ट उपचार की आवश्यकता हो सकती है।लेकिन जो भगवान राम का ध्यान करता है वो पुनः कार्य को दुगनी गति से बढ़ाता है और संयम से काम लेता है घबराहट जरूर दूर होगी चक्कर आना यानि मनोस्थिति ख़राब होना है लेकिन यदि भगवान राम का साथ मिला तो मनोस्थिति ठीक होती है, और मन पर नियंत्रण होने से मन उसमें रमने लगता है और फिर आपको किसी की आपको जरुरत नहीं पड़ेगी।

दवा के दुष्प्रभाव में सुधार : चक्कर आने का इलाज करने के लिए उपयोग की जाने वाली कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव या अन्य दवाओं के साथ परस्पर क्रिया हो सकती है।इसलिए दवाई सही इलाज नहीं है बल्कि मानसिकता को ठीक करना चाहिए और मैं खुद इसका भूक्तभोगी हूँ 2017 में मुझे हार्ट में प्रॉब्लम हुआ हाथ उठाने और मोड़ने में परेशानी हुई हार्ट के डॉक्टर ने खुब टेस्ट कराया और एन्जॉयोग्राफी हेतु सलाह दि उधर कुछ एमडी के छात्र भी जानना चाहते थे इसलिए मुझे ऐ समझ आ गया कि ऐ लोग इलाज नहीं बल्कि आपके दिल से खिलवाड़ करेंगे और आखिर प्रैक्टिकल कैसे करेंगे अतः मैं वहाँ से भागा और सब चिंता, लोगों को जितना बेबकूफ बनाकर लूटना है लूटो आखिर कब तक करोगे और ईश्वर के ध्यान और नकारात्मक लोगों से दूर रहकर शान्ति से भगवान राम का ध्यान किया और बाद में नार्मल हो गया अतः ईश्वर ने बॉडी में रिपेरिंग सिस्टम भी दि है लेकिन यह बहुत ध्यान और शांति से आता है। इस देह रूपी लंका का वास्तविक उत्तराधिकारी जीव रूपी विभिषण है।

कोहली ने 19 गेंदों में बनाए 45 रन

- कार्तिक बोले- हर साल नया प्लान, इस बार और बेहतर दिखेंगे; 28 को आरसीबी का पहला मैच

बैंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। बेंगलुरु में आरसीबी के दूसरे इंट्रा स्क्वाड मैच में विराट कोहली

ने तेज पारी खेलते हुए 19 गेंद में 45 रन बनाए। टीम के मेंटर और बैटिंग कोच दिनेश कार्तिक ने उनकी फॉर्म और इरादे की तारीफ की है। इससे पहले सोमवार को खेले गए पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी विराट ने 12 गेंदों पर 29 रन बनाए थे।

कार्तिक बोले- कोहली खुद को बेहतर बना रहे- मैच के बाद आरसीबी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें दिनेश कार्तिक ने कहा, आज का गेम अच्छा रहा। विराट की क्लास शुरुआत में ही दिख गई थी, उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले। विराट की महानता यह है कि वे हर साल एक खास प्लान और इरादे के साथ आते हैं। आपने देखा कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को किस स्तर पर पहुंचाया है। मुझे लगता है कि इस साल वे और भी बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

लिवरपूल को झटका, सालाह सीजन के आखिर में छोड़ देंगे टीम

लंदन (एजेंसी)। मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को घोषणा की कि वह सीजन के आखिर में लिवरपूल एफसी छोड़ देंगे, जिससे एनफील्ड में उनका शानदार समय खत्म हो जाएगा। 33 साल के इस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस खबर को कन्फर्म करते हुए कहा, बदकिस्मती से वह दिन आ गया है। यह मेरे फेयरवेल का पहला हिस्सा है, और फिर कहा, मैं सीजन के आखिर में लिवरपूल छोड़ दूंगा।

सालाह ने अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लिवरपूल ने कहा कि दोनों पार्टियों ने उनके भविष्य को लेकर एक एग्रीमेंट कर लिया है जिससे वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। उनके अपने ऊंचे स्टैंडर्ड के हिसाब से, पिच पर यह एक मुश्किल कैंपेन रहा है। सालाह ने सभी कॉम्पिटिशन में 34 मैचों में 10 गोल किए हैं, जिससे 2017 में क्लब जॉइन करने के बाद से उनका सीज़न का सबसे कम गोल हो गया है। ऑफ-फील्ड दिक्कतों ने भी इसमें भूमिका निभाई है।

फतेहगढ़ साहिब पहुंचे पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह

दुफेड़ा साहिब गुरुद्वारे में माथा टेका

- यहीं पर हेजल कीच से हुई थी शादी

खन्ना (एजेंसी)। फतेहगढ़ साहिब स्थित गुरुद्वारा दुफेड़ा साहिब में ब्रह्म ज्ञानी संत बाबा राम सिंह गंडुआं वालों के पवित्र अंगीठा साहिब स्थान पर दूसरा यादगारी समागम आयोजित किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस समागम में पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह भी पहुंचे। उन्होंने श्रद्धापूर्वक माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया। युवराज सिंह ने संगत के साथ बैठकर कीर्तन सुना और आध्यात्मिक माहौल में समय बिताया। उनकी उपस्थिति से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। युवराज सिंह इस स्थान से लंबे समय से जुड़े हुए हैं और संत बाबा राम सिंह के पक्के श्रद्धालु हैं। यहीं पर युवराज सिंह ने ब्रिटिश मॉडल और बॉलीवुड अभिनेत्री हेजल कीच से शादी की थी।

श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार रहे उपस्थित- कार्यक्रम की शुरुआत श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में पूरी मर्यादा के साथ हुई। भाई मनदीप सिंह

भामिया वालों ने अपने मधुर कीर्तन से संगतों को निहाल किया। कीर्तन के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार रघबीर सिंह भी उपस्थित थे।

कुलविंदर कौर ने भी संगत को संबोधित किया

समागम के दौरान बाबा जी की आध्यात्मिक बेटी कुलविंदर कौर ने भी संगत को संबोधित किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को संत बाबा राम सिंह जी के दिखाए रास्ते पर चलने और सच्चे जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए गुरु का अटूट लंगर लगाया गया, जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, सेवा और भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

नहीं होगी आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी

- पिछले साल की भगदड़ के चलते बीसीसीआई का फैसला, फाइनल में ग्रैंड क्लोजिंग सेरेमनी होगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की है। सीजन का पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (सीएसके) के बीच 28 मार्च को होगा। देवजीत सैकिया ने मीडिया करते हुए कहा, पिछले साल 4 जून को हुई दुखद घटना की वजह से आईपीएल 2026 के शुरू होने वाले दिन कोई फॉर्मल फंक्शन यानी ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी। बीसीसीआई कोई कल्चरल इवेंट ऑर्गनाइज नहीं कर रहा है। सैकिया ने आगे बताया, बोर्ड आईपीएल फाइनल वाले दिन ग्रैंड क्लोजिंग सेरेमनी की प्लानिंग कर रहा है। आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई को खेला जाएगा।

भगदड़ में 11 लोगों की जान गई थी

4 जून 2025 को आरसीबी ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद टीम ने बेंगलुरू में विक्ट्री परेड निकाली थी। इस जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी।

मैच से पहले दी जाएगी श्रद्धांजलि

आरसीबी और सीएसके ने बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) लगाने और 11 सीटों को हमेशा खाली रखने का फैसला किया है। ये सीटें इंटरनेशनल मैच में भी उन 11 लोगों की याद में कभी बेची नहीं जाएंगी। स्मारक पट्टिका को स्टेडियम के एंट्री गेट के पास लगाया जाएगा, ताकि यह जगह हमेशा श्रद्धांजलि का प्रतीक बनी रहे। इसके अलावा, आईपीएल मैच से पहले पीड़ितों के नाम प्रदर्शित किए जाएंगे और एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी।

फिलहाल 20 मैचों का शेड्यूल जारी किया गया है- आईपीएल 2026 के लिए फिलहाल 20 मैचों का ही शेड्यूल जारी किया गया। इसकी वजह अप्रैल-मई के दौरान पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। इन 5 राज्यों में से 3 बंगाल, तमिलनाडु और असम हैं। यहां आईपीएल मैच भी होने हैं।

शेन-वॉर्न के परिवार को मिल सकते हैं 460 करोड़

करीब 20 साल पहले लिए फैसले से फायदा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स से ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के परिवार को 450 से 460 करोड़ रुपए मिल सकते है। यह फायदा वॉर्न के उस फैसले की वजह से हो सकता है, जो उन्होंने करीब 20 साल पहले टीम के साथ कॉन्ट्रैक्ट करते समय लिया था।

दरअसल, इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में राजस्थान रॉयल्स ने स्पिनर शेन वार्न को टीम का कप्तान बनाया था। उस समय उन्हें सिर्फ खिलाड़ी और कप्तान के रूप में ही नहीं, बल्कि क्रिकेट संचालन से जुड़े कई फैसलों की जिम्मेदारी भी दी गई थी। इसी दौरान वॉर्न ने अपनी सैलरी के साथ फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी की मांग की थी, जिसे टीम मैनेजमेंट ने स्वीकार कर लिया था। इंडियन प्रीमियर लीग का पहला सीजन राजस्थान रॉयल्स ने जीता था। 4 मार्च 2022 को शेन वॉर्न का 52 साल की उम्र में निधन हो गया था।

डील से शेन वॉर्न के परिवार को होगा बड़ा फायदा- राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा किए गए समझौते के तहत वॉर्न को हर सीजन खेलने के बदले करीब 6.57 लाख डॉलर की सैलरी के साथ 0.75 प्रतिशत टीम की हिस्सेदारी दी गई।

उस्मान तारिक की नकल करना श्रीलंकाई गेंदबाज को भारी पड़ा

- अंपायर ने गेंद को डेड बताया, टी-20 वर्ल्ड कप में से चर्चा में आए थे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के रिचमंड कॉलेज के नेथुजा बशिथा ने 21 मार्च को गॉल में महिंदा कॉलेज के खिलाफ खेले गए 'लवर्स क्वारल' मैच में उस्मान तारिक की तरह गेंदबाजी करते हुए बीच में रुकने की कोशिश की।

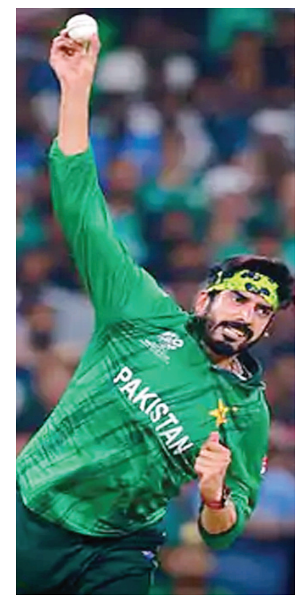

क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक के अनोखे बॉलिंग स्टाइल की नकल करना एक खिलाड़ी को भारी पड़ गया। श्रीलंका के रिचमंड कॉलेज में खेले गए एक मैच में गेंदबाज नेथुजा बशिथा ने तारिक की शैली अपनाने की कोशिश की, लेकिन अंपायर ने इसे नियमों के खिलाफ मानते हुए गेंद को डेड बॉल करार दिया। यह मैच गॉल में 21 मार्च को रिचमंड कॉलेज और महिंदा कॉलेज के बीच खेला गया था।

पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक इन दिनों अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली के कारण काफी चर्चा में हैं। हाल ही में समाप्त हुए आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान कर दिया।

श्रीलंकाई बॉलर ने क्या किया?

मैच के दौरान नेथुजा बशिथा ने उस्मान तारिक की तरह रुककर गेंदबाजी करने की कोशिश की। बशिथा अपने रन-अप के दौरान बीच में रुके और कई बार उछलकर गेंद फेंकी। अंपायर ने इसे तुरंत भांप लिया और गेंद को 'डेड बॉल' करार दे दिया। दरअसल, अंपायर का मानना था कि यह गेंदबाज के सामान्य बॉलिंग एक्शन का हिस्सा नहीं था, बल्कि बल्लेबाज का ध्यान भटकाने की एक कोशिश थी।

क्या कहता है क्रिकेट का नियम?

क्रिकेट के नियमों के अनुसार, अगर कोई गेंदबाज जानबूझकर ऐसी हरकत करता है जिससे बल्लेबाज का ध्यान भटके या उसे परेशानी हो, तो अंपायर उस गेंद को डेड बॉल घोषित कर सकता है। गंभीर मामलों में अंपायर बल्लेबाजी करने वाली टीम को 5 पेनल्टी रन भी दे सकता है। बशिथा के मामले में अंपायर ने इसे अनुचित माना क्योंकि वे जानबूझकर तारिक की स्टाइल कॉपी कर रहे थे।

तारिक का एक्शन क्यों है लीगल?

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान जब उस्मान तारिक ने अपनी गेंदबाजी से भारत और इंग्लैंड जैसे बड़े देशों के बल्लेबाजों को परेशान किया था, तब उनके एक्शन पर भी सवाल उठे थे। हालांकि, आईसीसी ने उनके बॉलिंग एक्शन को पूरी तरह 'लीगल' यानी वैध बताया है। आईसीसी के अनुसार, रुककर गेंद फेंकना तारिक के स्वाभाविक और नियमित बॉलिंग एक्शन का हिस्सा है, न कि बल्लेबाज को धोखा देने की कोई अलग से की गई कोशिश।

वर्ल्ड कप में कैसा रहा पाकिस्तान का सफर?

उस्मान तारिक ने सुपर-8 राउंड तक पाकिस्तान को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ आखिरी सुपर-8 मैच में वे काफी महंगे साबित हुए। पाकिस्तान की टीम इस बार सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई थी, लेकिन तारिक की गेंदबाजी पूरे टूर्नामेंट में 'टॉक ऑफ द टाउन' बनी रही। इसी का नतीजा है कि अब छोटे स्तर के मैचों में युवा खिलाड़ी उनके स्टाइल को अपना रहे हैं।

1 अप्रैल से महंगी होंगी दर्द से बुखार तक की दवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। आम लोगों की जेब पर एक और असर पड़ने वाला है। 1 अप्रैल 2026 से पेरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स और अन्य जरूरी दवाओं के दाम बढ़ने जा रहे हैं। सरकार ने आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में शामिल दवाओं की कीमतों में करीब 0.6 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की अनुमति दे दी है। यह बढ़ोतरी 1000 से ज्यादा आवश्यक दवाओं पर लागू होगी। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने बताया, 'वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग में आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के आधार पर, वर्ष 2025 के दौरान वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में में वार्षिक बदलाव (+) 0.64956 प्रतिशत है।' समायोजित कीमतें की 1,000 से अधिक दवाओं पर लागू होंगी। बदलाव की अनुमति साल में एक बार दी जाती है। आवश्यक दवाओं की सूची में पेरासिटामोल, बैक्टीरियल संक्रमण के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन, खून की कमी (एनीमिया) की दवाएं, विटामिन और खनिज (मिनरल) जैसी दवाएं शामिल हैं।

अभी एलपीजी की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं, आगे बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल-अमेरिका में युद्ध के बीच देश और दुनिया में इस समय को लेकर बड़ी हलचल है। किचन से लेकर चौक-चौराहों और संसद तक में एलपीजी की चर्चा हो रही है। ऐसे में आपको एलपीजी से जुड़ी खबरों पर नजर जरूरी है। इस खबर में आपको के लेटेस्ट रेट भी बताएंगे और सप्लाई संकट से पार पाने के लिए सरकार के उपायों को भी। देश में बढ़ती गैस मांग और सप्लाई दबाव के बीच सरकार को लेकर कई बड़े कदम उठाए हैं। मार्च के पहले पखवाड़े में लिए गए फैसलों से साफ है कि घरेलू गैस की उपलब्धता को संतुलित करने के लिए नियमों को कड़ा किया जा रहा है। 6 मार्च से सरकार ने घरेलू सिलेंडर की बुकिंग पर 21 दिन का लॉक-इन पीरियड लागू कर दिया। यानी उपभोक्ताओं को एक सिलेंडर लेने के बाद दूसरा सिलेंडर बुक करने के लिए कम से कम 21 दिन इंतजार करना होगा। हालांकि, 9 मार्च को बढ़ती मांग को देखते हुए शहरी क्षेत्रों में इस लॉक-इन पीरियड को और बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया। इससे शहरों में गैस की खपत को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। इसके बाद 12 मार्च को सरकार ने ग्रामीण इलाकों के लिए भी सख्ती बढ़ाई और सिलेंडर बुकिंग का अंतराल बढ़ाकर 45 दिन कर दिया। यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित सप्लाई को ध्यान में रखते हुए उठाया

1अप्रैल का जारी होंगे एलपीजी के नए रेट

गया है। इसी क्रम में 14 मार्च को पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक और बड़ा फैसला लिया। पाइप्ड नेचुरल गैस इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं के लिए सिलेंडर रखना गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया है। अब कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को अपने सिलेंडर सरेंडर करने होंगे और वे उसकी रिफिलिंग नहीं करा सकेंगे।

25 मार्च यानी बुधवार को पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एलपीजी रिफिल बुकिंग की समय-सीमा में बदलाव को लेकर फैल रही खबरें पूरी तरह गलत हैं। मौजूदा समय-सीमा में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, न्यूज रिपोर्टों और सोशल मीडिया में दावा किया जा रहा है कि उज्जवला योजना के तहत कनेक्शन की रिफिल बुकिंग के लिए समय-सीमा 45 दिन, गैर पीएमयूवाई सिंगल सिलिंडर रिफिल बुकिंग के लिए 25 दिन और गैर पीएमयूवाई डबल सिलिंडर रिफिल बुकिंग के लिए 35 दिन की समय-सीमा तय की गई।

सरकार के इन फैसलों का मकसद गैस की उपलब्धता को बेहतर तरीके से प्रबंधित करना और जरूरतमंद उपभोक्ताओं तक सप्लाई सुनिश्चित करना है। हालांकि, नए नियमों से आम लोगों को गैस बुकिंग में देरी और असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। आज 26 मार्च को घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में लगभग 913 रुपये, मुंबई में 912.50 रुपये और कोलकाता में 939 रुपये बनी हुई है। लखनऊ और कानपुर में यह कीमत करीब 950.50 रुपये के आसपास पहुंच गई है।

रिलायंस जियो का कब आएगा आईपीओ डीआरएचपी फाइलिंग जल्द

नई दिल्ली, एजेंसी। जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ अब सुर्खियों में है। द इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक रिपोर्ट्स के मुताबिक, जियो जल्द ही दाखिल कर सकता है। माना जा रहा है कि 2026 की पहली छमाही में यह बाजार में आ सकता है। वहीं, कंपनी के बड़े विदेशी निवेशक अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने की तैयारी में हैं। यह आईपीओ भारत के सबसे बड़े पब्लिक इश्यू में से एक हो सकता है, जिस पर घरेलू और विदेशी निवेशकों की नजर टिकी हुई है। सूत्रों के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म्स के करीब 14 बड़े निवेशक अपनी हिस्सेदारी का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा बेच सकते हैं। कुल मिलाकर यह करीब 2.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत हिस्सेदारी बनती है। यानी निवेशक पूरी तरह बाहर नहीं निकलेंगे, बल्कि आंशिक मुनाफावसूली करेंगे। इसका मतलब है कि कंपनी नए शेयर जारी नहीं करेगी, बल्कि मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। इससे कंपनी के पास नया पैसा नहीं आएगा, लेकिन निवेशकों को एग्जिट का मौका मिलेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज इस अपनी हिस्सेदारी बेचने की योजना में नहीं है। कंपनी के पास जियो में करीब 67 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो पहले की तरह बनी रहेगी। इससे यह साफ है कि प्रमोटर को कंपनी के भविष्य पर पूरा भरोसा है। जियो के सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में मेटा और गूगल शामिल हैं। ये कंपनियां भी अपनी हिस्सेदारी का एक छोटा हिस्सा बेच सकती हैं। इसके अलावा, केकेआर,

विस्टा इक्विटी, सिल्वर लेक और सऊदी अरब के जैसे बड़े निवेशक भी आंशिक हिस्सेदारी कम करेंगे।

कितनी हो सकती है जियो की वैल्यूएशन: बड़े निवेश बैंक जियो प्लेटफॉर्म्स की वैल्यूएशन 130 से 180 अरब डॉलर के बीच आंक रहे हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह भारत के इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ में शामिल हो सकता है। जियो अब सिर्फ टेलीकॉम कंपनी नहीं रहना चाहता, बल्कि एक टेक और डिजिटल पावरहाउस बनने की दिशा में काम कर रहा है। कंपनी का फोकस इन सेक्टर पर है जैसे, 5ज्ञ और ब्रॉडबैंड विस्तार, एंटरप्राइज डिजिटल सर्विसेज, एआई और डीप-टेक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सैटेलाइट कनेक्टिविटी। नेतृत्व में रिलायंस ग्रुप एआई सेक्टर में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है। कंपनी अगले कुछ सालों में भारी निवेश कर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना चाहती है, जिससे जियो का बिजनेस मॉडल और मजबूत हो सकता है। यह आईपीओ निवेशकों के लिए बड़ा मौका साबित हो सकता है, क्योंकि, कंपनी का मजबूत यूजर बेस, तेजी से बढ़ता डिजिटल बिजनेस, टेक्नोलॉजी और एआई में विस्तार। हालांकि, निवेश से पहले वैल्यूएशन और मार्केट कंडीशन को समझना जरूरी होगा।

अरबपतियों की लिस्ट में उथल-पुथल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच अरबपतियों की लिस्ट में उथल-पुथल नजर आ रही है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अब जेफ बेजोस दुनिया के तीसरे सबसे रईस शख्स बन गए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में उनकी संपत्ति में 3.92 अरब डॉलर का उछाल आया है। वहीं, इस स्थान पर काबिज सर्गी ब्रिन अब चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। लैरी एलिसन 200 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं और वॉरेन बफेट एक स्थान और नीचे 142 अरब डॉलर के साथ 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर भारत के मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को बुधवार को क्रमशः 110 मिलियन डॉलर और 1.95 अरब डॉलर का फायदा हुआ, लेकिन इनकी रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ। अंबानी 91.8 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ 18वें और अडानी 74.9 अरब डॉलर के साथ 22वें स्थान पर डटे हुए हैं। अमेरिकी शेयर मार्केट में बुधवार को आई तेजी का फायदा इंडेक्स में शामिल कुछ अरबपतियों को मिला। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपत्ति में 2.05 अरब का इजाफा हुआ, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ बढ़कर 654 अरब तक पहुंच गई। वहीं दूसरे सबसे रईस को लैरी पेज को मात्र 300 मिलियन डॉलर का फायदा हुआ। इनका नेटवर्थ अब 250 अरब डॉलर है। तीसरे नंबर पर पहुंचे अरबपति जेफ बेजोस को 3.92 अरब डॉलर का फायदा हुआ। अब इनके पास 235 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। सर्गी ब्रिन की दौलत में केवल 274 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ और अब इनके पास 233 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में 675 मिलियन डॉलर की बढ़त दर्ज की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)